लखनऊ

बुधवार, 23 जुलाई, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 14

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह याद रखना बेहतर होगा कि सभी सफल व्यवसाय नैतिकता की नींव पर आधारित होते हैं। - हैनरी वार्ड बीचर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

एसआईआर के खिलाफ बिहार में विपक्ष का प्रदर्शन, तेजस्वी बोले- बेशर्म हो गया है चुनाव आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में विपक्षी दलों ने मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर विधानसभा चुनाव से पहले लोगों के मताधिकार को छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बिहार विधानसभा के दूसरे दिन राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और वामपंथी दलों ने विधानसभा की सीढ़ियों पर विरोध प्रदर्शन किया, हाथों में तख्तियां लिए और विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में कथित वोट चोरी के खिलाफ नारे लगाए। बताया जा रहा है कि विधायकों को बिना किसी व्यवधान के विधानसभा में प्रवेश करने देने के लिए एक और दरवाजा खोलना पड़ा। विपक्षी पार्टी के विधायकों ने कहा है कि वे सरकार की पोल खोलने के लिए सदन की कार्यवाही बाधित करेंगे। वहीं, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने बार-बार इस बात पर आपत्ति जताई है कि सर। कुछ ऐसे दस्तावेज हैं जो गरीबों के पास नहीं हैं, तो जो लोग काम के लिए बाहर जाते हैं, वो वोटर कैसे बनेंगे। इस तरह से एक बड़ा सवाल उठता है, और आज हम सभी इंडिया एलायंस ने कार्यवाही स्थगित करने का प्रस्ताव लाने का काम किया है ताकि इस पर विशेष चर्चा हो सके। ताकि सारी बातें सामने आ सकें। तेजस्वी यादव ने कहा कि हम कोर्ट में, सड़क पर, सदन में लड़ रहे हैं। लेकिन चुनाव आयोग बेशर्म हो गया है। चुनाव आयोग ने इस मुद्दे पर एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की। सुप्रीम कोर्ट के सुझावों के बाद भी उन्होंने आधार या राशन कार्ड की भूमिका के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है।

वर्क-फ्रॉम-होम जॉब का लालच दे ठगे 17.5 लाख, दिल्ली पुलिस ने 4 जालसाजों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट साइबर थाना टीम ने वर्क-फ्रॉम-होम जॉब घोटाले का पर्दाफाश करते हुए चार ठगों को गिरफ्तार किया है। इन ठगों ने टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को झूठे ऑनलाइन जॉब का लालच देकर ठगा और ठगी के पैसों को क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर बैंकों और पुलिस को गुमराह किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 4 मोबाइल फोन और 4 सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। इस घोटाले में एक शिकायतकर्ता से 17.49 लाख रुपये की ठगी की गई। 27 मई 2025 को वसंत कुंज के एक निवासी ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज की। शिकायतकर्ता ने बताया कि 23 मई 2025 को एक टेलीग्राम आईडी के जरिए उनसे संपर्क किया गया और वेबसाइट रिव्यू करने के लिए 50 रुपये प्रति रिव्यू का लालच दिया गया। कुछ छोटे कार्यों के बाद, ठगों ने उन्हें बिटकॉइन की खरीद-बिक्री जैसे प्री-पेड टास्क करने को कहा और स्क्रीनशॉट भेजने को बोला। शुरुआत में शिकायतकर्ता ने छोटी राशि निवेश की, लेकिन बाद में जालसाजों ने विभिन्न तरीकों से और पैसे जमा करने का दबाव बनाया, यह कहकर कि इससे उनकी कथित कमाई निकाली जा सकेगी। इस तरह शिकायतकर्ता से कुल 17.49 लाख रुपये ठग लिए गए।

एसआईआर के मुद्दे पर प्रदर्शन को लेकर भाजपा हमलावर

'विपक्ष कर रहा गुंडागर्दी, भारत कोई धर्मशाला नहीं'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को बिहार मतदाता सूची संशोधन के विरोध में विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना की और उन पर गुंडागर्दी का सहारा लेने का आरोप लगाया ताकि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों समेत विदेशी लोगों को चुनाव में वोट देने का अधिकार मिल सके। बता दें कि बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी और तख्तियां लहराकर लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करने पर मजबूर कर दिया।

विपक्ष ने एसआईआर के मुद्दे पर किया विरोध-प्रदर्शन

संसद भवन परिसर में विपक्ष के तमाम सांसदों ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे को लेकर जोरदार तरीके से प्रदर्शन किया है। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव समेत कई बड़े चेहरे इस प्रदर्शन में शामिल रहे। विपक्षी सांसद संसद के मकर द्वार की सीढ़ियों पर जमा हुए और एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ नारे लगाए। उनका आरोप था कि यह चुनावों में हेराफेरी के समान है। उन्होंने 'एसआईआरः भारतीय अधिकारों की चोरी' और 'एसआईआरः भारतीय गणराज्य को नुकसान पहुंचाना' लिखे हुए पेपर भी पकड़ रखे थे।

भाजपा का विपक्ष पर तीखा हमला

भाजपा ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष इस प्रक्रिया का विरोध इसीलिए कर रहा है क्योंकि वह बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को भी वोटिंग अधिकार दिलवाना चाहता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'भारत कोई धर्मशाला नहीं है। संविधान के अनुसार केवल भारतीय नागरिक ही वोट डाल सकते हैं। फिर जांच से आपत्ति क्यों?' उन्होंने दावा किया कि बिहार के अररिया, किशनगंज और पूर्णिया जिलों में जनसंख्या से ज़्यादा आधार कार्ड बने हैं। क्या ये नहीं जांचा जाना चाहिए कि कोई व्यक्ति एक से ज्यादा बूथ पर वोटर तो नहीं?'

संसद में हंगामा और कार्यवाही स्थगित

विपक्षी सांसदों ने लोकसभा की कार्यवाही कई बार स्थगित करवा दी। वे लगातार नारेबाजी करते रहे- 'एसआईआर वापस लो!''संविधान से खिलवाड़ बंद करो!' जिसे लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी विपक्ष पर साधा निशाना और कहा 'विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बना रहा है ताकि संस्थाएं उनके इशारे पर चलें। यह संविधान की खुली अवहेलना है।' उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की मंशा है कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को भी भारत में वोटिंग का अधिकार मिले।

'इंडिया' गठबंधन ने एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित विपक्षी सांसदों ने बिहार में एसआईआर (विशेष गहन समीक्षा) अभ्यास के मुद्दे पर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। संसद के 'मकर द्वार' के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राष्ट्रीय जनता दल के नेता मनोज झा और मीसा भारती तथा कई अन्य सांसद शामिल हुए।

विपक्षी सांसदों ने 'नहीं चलेगा-नहीं चलेगा, एसआईआर नहीं चलेगा' और 'वोटबंदी बंद करो' के नारे लगाए। कई सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर एसआईआर के विरोध में नारे लिखे हुए थे। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने कहा, ''हम इस मुद्दे को जोरशोर से उठाएंगे। ऐसा नहीं हो सकता कि रातों-रात लाखों लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाए।'' उन्होंने कहा कि सरकार और निर्वाचन आयोग को इस मामले में अपने कदम पीछे खींचने होंगे। विरोध प्रदर्शन से पहले 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के सदनों के नेताओं ने बैठक कर मानसून सत्र में आगे की रणनीति पर चर्चा की और एसआईआर के मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाने का फैसला किया।

सांसद रेणुका चौधरी ने सवाल उठाते हुए कहा, 2024 के लोकसभा चुनाव में कोई विषय नहीं था। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक है और पश्चिम बंगाल-असम के चुनाव होने हैं तो अब (आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है) दिक्कत है। लगभग 3 करोड़ मतदाताओं के वेरिफिकेशन की बात सामने आई है। ये बताएं कि चंद दिनों में कैसे वेरिफिकेशन हो सकता है। इसका मतलब है कि आपके पास पहले से लिस्ट तैयार है।

मैं सही समय पर सेवानिवृत्त...जब भाषण देते-देत भावुक हुए जगदीप धनखड़, आंखों से निकले आंसू

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक और अप्रत्याशित इस्तीफे को लेकर अटकलों के बीच उनकी सेवानिवृत्ति योजनाओं पर चर्चा करने वाला वीडियो फिर से चर्चा में आया है और खूब शेयर किया जा रहा है। इस क्लिप में धनखड़ एक कार्यक्रम में बोलते हुए यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि वह 2027 में राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होने पर सेवानिवृत्त हो जाएँगे। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 10 जुलाई को आयोजित एक कार्यक्रम में श्रोताओं के एक सवाल के जवाब में धनखड़ ने कहा था कि मैं सही समय पर सेवानिवृत्त हो जाऊंगा। मैं सही समय पर, अगस्त 2027 में ईश्वरीय कृपा से सेवानिवृत्त हो जाऊंगा। 74 वर्षीय धनखड़ ने अगस्त 2022 में पदभार ग्रहण किया था और उनका कार्यकाल अगस्त 2027 तक का था। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार देर शाम उपराष्ट्रपति द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए दिए गए अप्रत्याशित इस्तीफ़े ने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को आश्चर्यचकित कर दिया और व्यापक राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया।विपक्षी दलों ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफ़े के लिए राज्यसभा की एक महत्वपूर्ण बैठक में प्रमुख मंत्रियों की अनुपस्थिति और सदन में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा द्वारा की गई टिप्पणियों को ज़िम्मेदार ठहराया। हालाँकि, भाजपा ने इन दावों को खारिज करते हुए धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया, जिनकी हाल ही में एंजियोप्लास्टी हुई थी। विपक्ष ने आरोप लगाया कि उपराष्ट्रपति सोमवार शाम 4.30 बजे हुई बीएसी की बैठक में राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की अनुपस्थिति से निराश थे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि बीएसी के सदस्य मंत्रियों के आने का इंतज़ार करते रहे, लेकिन वे नहीं आए। हालाँकि, नड्डा ने जानबूझकर अनुपस्थिति के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि मंत्री महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्त थे और उन्होंने सभापति को पहले ही सूचित कर दिया था। कांग्रेस ने जेपी नड्डा के राज्यसभा में दिए गए भाषण का भी ज़िक्र किया, जहाँ उन्होंने कथित तौर पर सभापति को निर्देश देते हुए कहा था कि केवल उनकी कही गई बातें ही रिकॉर्ड में दर्ज होंगी।

इस्तीफे की सही वजह तो वही बताएंगे: खड़गे

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर राज्यसभा नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस्तीफे की सही वजह केवल उपराष्ट्रपति ही बता सकते हैं । हमें इस पर कुछ नहीं कहना है। या तो सरकार जानती है या वह जानते हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार करना या न करना सरकार पर निर्भर है।

पर्दे के पीछे बड़ी राजनीति चल रही है: संजय राउत

शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि पर्दे के पीछे बड़ी राजनीति चल रही है, और जल्द ही इसका खुलासा हो जाएगा। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा कोई साधारण घटना नहीं है। मैं यह मानने को तैयार नहीं हूं कि यह स्वास्थ्य के कारण है। मैं कल उनका निरीक्षण कर रहा था। वह ठीक हैं। सितंबर में जरूर कुछ हुआ था।

यह लोकतंत्र की हत्या... बिहार में एसआईआर अभ्यास को लेकर भड़कीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ कड़ी आपत्ति जताई और सरकार पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया। गांधी ने एएनआई से कहा कि वे लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। हम इसका विरोध कर रहे हैं और यह गलत है। यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब भारतीय जनता पार्टी और उसके नेता चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि लोगों के मताधिकार छीने जा रहे हैं। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट करके आरोप लगाया कि पहले महाराष्ट्र में मतदाता सूची में हेराफेरी करके चुनावों में 'धांधली' की गई थी और अब बिहार में मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को 'मतदान का अधिकार छीनने की साजिश' करार दिया। विरोध प्रदर्शन में शामिल गांधी ने कहा पहले महाराष्ट्र में मतदाता सूची में हेराफेरी करके चुनावों में धांधली की गई। अब बिहार में भी मतदाताओं के नाम हटाकर ऐसा ही करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर की आड़ में लगाया जा रहा 'मतदान प्रतिबंध' संविधान द्वारा प्रदत्त मतदान के अधिकार को छीनने की साजिश है। हम संविधान को कुचलने की हर कोशिश के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने मकर द्वार पर संसद भवन की सीढ़ियों पर खड़े होकर बिहार एसआईआर का विरोध किया और इस प्रक्रिया को रोकने की मांग की। कई नेता इस संशोधन प्रक्रिया की निंदा करते हुए पोस्टर लिए हुए देखे गए, जिन पर इसे 'भारतीय अधिकारों की चोर', 'लोकतंत्र की मृत्यु' आदि लिखा था। बिहार एसआईआर का मुद्दा विवादास्पद रहा है और इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने संसद में इस पर चर्चा की मांग की है।

'हनीट्रैप में विधायकों को फंसाकर गिराई गई महाविकास अघाड़ी सरकार', शिवसेना यूबीटी का दावा

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना यूबीटी ने दावा किया है कि साल 2022 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार के विधायकों को हनी ट्रैप में फंसाकर सरकार गिराई गई। शिवसेना यूबीटी ने अपने मुखपत्र सामना में मंगलवार को ये भी दावा किया है कि विधायकों को फंसाने के लिए गुप्त कैमरों और पेगासस जैसे सिस्टम का इस्तेमाल किया गया। सामना के संपादकीय लेख में कहा गया है कि अविभाजित शिवसेना और एनसीपी के कुछ विधायकों ने केंद्रीय एजेंसियों के दबाव में अपनी निष्ठा बदली। कम से कम 18 विधायकों और चार सांसदों को हनीट्रैप में फंसाया गया था, जिसके चलते ही उन्होंने अपनी छवि बचाने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया।

शारदा यूनिवर्सिटी ने विभागाध्यक्ष समेत चार प्रोफेसरों को किया निलंबित, पुलिस बल तैनात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा विश्वविद्यालय में बीडीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा की आत्महत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए विभागाध्यक्ष समेत चार प्रोफेसरों को निलंबित कर दिया है। साथ ही, निलंबित प्रोफेसरों को विश्वविद्यालय परिसर में आने से भी रोक दिया गया है और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। इस मामले को लेकर विश्वविद्यालय में छात्रों और सामाजिक संगठनों में भारी रोष देखा जा रहा है। लगातार कई संगठनों द्वारा प्रदर्शन किए जा रहे हैं और जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए प्रशासनिक जांच कमेटी के गठन की मांग की है। पुलिस प्रशासन भी मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच प्रक्रिया में तेजी ला रहा है। अब तक हॉस्टल वार्डन और संबंधित विभाग के कई स्टाफ से पूछताछ की जा चुकी है। पुलिस ने छात्रा के विभाग को सील कर दिया है और स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने के बाद ही विभाग को दोबारा खोला जाएगा।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वीडियो साक्ष्यों को भी कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। विश्वविद्यालय परिसर और छात्रावास में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। सुरक्षा के मद्देनजर परिसर के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

गौरतलब है कि गुरुग्राम निवासी छात्रा ने बीते शुक्रवार को छात्रावास के अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ, जिसमें उसने अपने विभाग के प्रोफेसरों और अन्य स्टाफ पर मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा ने नोट में दो शिक्षकों का नाम भी स्पष्ट रूप से लिखा है, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, अन्य संदिग्ध कर्मचारियों और प्रोफेसरों से भी पूछताछ की जा रही है।

यूपी में कांवड़ यात्रा मार्ग के होटलों-ढाबों पर QR कोड होना जरूरी, योगी सरकार के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट से कोई रोक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर मौजूद खाने की दुकानों पर क्यूआर कोड लगाने को लेकर योगी सरकार द्वारा जारी आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई रोक नहीं लगाई है। मंगलवार को संबंधित मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगाने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी होटलों पर उनके लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट व अन्य जरूरी कागजात लगाए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक आदेश जारी करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कांवड़ यात्रा मार्ग पर समेत अन्य सभी होटलों पर वैधानिक रूप से जरूरी उनके लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट व अन्य कागजातों को प्रदर्शित किया जाए। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि मंगलवार को कांवड़ यात्रा का अंतिम दिन होने के कारण होटल या ढाबा मालिक का नाम और क्यूआर कोड प्रदर्शित करने जैसे अन्य मुद्दों पर चर्चा नहीं की गई। शीर्ष अदालत शिक्षाविद अपूर्वानंद झा और अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 25 जून को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति का हवाला दिया गया, जिसमें कहा गया कि कांवड़ मार्ग पर स्थित सभी भोजनालयों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य है, जिससे मालिकों के नाम और पहचान का पता चलता है, जिससे वही भेदभावपूर्ण प्रोफाइलिंग हो रही है, जिस पर पहले इस अदालत ने रोक लगा दी थी।

याचिका में कहा गया है कि राज्य सरकार का निर्देश के अनुसार स्टॉल मालिकों को ₹कानूनी लाइसेंस आवश्यकताओं₹ के तहत धार्मिक और जातिगत पहचान प्रकट करने के लिए कहा गया है जो कि दुकान, ढाबा और रेस्टोरेंट मालिकों के निजता के अधिकार का उल्लंघन है।

इस पर कोर्ट ने कहा, 'हमें बताया गया है कि आज यात्रा का अंतिम दिन है। बहरहाल, निकट भविष्य में इसके समाप्त होने की संभावना है। इसलिए, इस समय हम केवल यह आदेश पारित कर सकते हैं कि सभी संबंधित होटल मालिक वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करने के आदेश का पालन करें।'

गौरतलब है कि बीते साल उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व मध्य प्रदेश की सरकारों के उस निर्देशों पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी, जिसमें कहा गया था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित ढाबों पर मालिकों, कर्मचारियों और अन्य विवरणों के नाम किए जाएं।

चुनावी सत्यापन पर बंटा सिस्टम, EC ने SC को गिनाईं दस्तावेजों की खामियां

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बचाव करते हुए सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि आधार, मतदाता पहचान पत्र या राशन कार्ड को मतदाता पात्रता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है और नागरिकता का प्रमाण मांगने के अपने संवैधानिक अधिकार पर जोर दिया। सोमवार शाम को प्रस्तुत एक विस्तृत हलफनामे में, चुनाव आयोग ने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे प्राप्त शक्तियाँ उसे मतदाता सूची तैयार करने सहित चुनाव के सभी पहलुओं की निगरानी और निर्देशन का पूर्ण अधिकार प्रदान करती हैं।

आयोग ने तर्क दिया कि यह संवैधानिक आदेश, अनुच्छेद 326 के तहत निर्धारित भारतीय नागरिकता की आवश्यकता सहित मतदाता पात्रता की जाँच करने का अधिकार देता है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता साबित न कर पाना किसी की नागरिकता समाप्त करने के समान नहीं है। यह हलफनामा कई विपक्षी सांसदों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में आया है, जिनमें एसआईआर प्रक्रिया की वैधता, समय और तरीके को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को एसआईआर की वैधता की जाँच करने पर सहमति जताई और आग्रह किया कि अगले आदेशों तक मसौदा सूची को अंतिम रूप न दिया जाए। कोर्ट ने चुनाव आयोग से यह भी कहा था कि वह मतदाता सूची में शामिल होने के लिए पात्रता के स्वीकार्य प्रमाण के रूप में आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर विचार करे।

'मेरी प्रेमिका से उसकी दोस्ती थी, इसलिए...', आदम का चौंकाने वाला कबूलनामा, चार गोली मारने का कारण भी बताया

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ के सिविल लाइंस इलाके में जामिया उर्दू रोड पर सोमवार दोपहर स्कूटी सवार बिल्डर जुल्फिकार उर्फ लाडले खां (48) पर हुए हमले में पुलिस ने हिरासत में लिए आरोपी आदम और वसीम से पूछताछ की। पूछताछ में आदम ने बिल्डर पर हमले के कारणों का जो खुलासा किया है, वह बेहद चौंकाने वाला है।

आदम ने अपनी प्रेमिका से लाडले की दोस्ती के शक में यह हमला किया है। उसने यह हमला पहली बार नहीं किया, बल्कि इससे पहले भी एक मर्तबा एसपी सिटी आवास के सामने करीब डेढ़ दशक पहले लाडले पर हमला किया था।

काम के सिलसिले में

लाडले के घर आती जाती है आदम की प्रेमिका

सीओ तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि इस मुकदमे में नामजद किए गए और सीसीटीवी में पहचाने गए दोनों आरोपी आदम व वसीम को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उजागर हुआ है कि आदम की प्रेमिका काम के सिलसिले में लाडले के घर आती जाती है।

लाडले ने उसे रहने के लिए ठिकाना भी दे रखा है। आदम को संदेह है कि लाडले की उससे दोस्ती बढ़ती जा रही है। बिल्डर उससे मेल-जोल पर भी रोकटोक करता है। इसी संदेह में इस रंजिश की नींव करीब दो वर्ष पहले पड़ी।

पहले भी बिल्डर पर हमला कर चुका था आरोपी

इसी क्रम में पहले आदम ने खुद पर जीवनगढ़ इलाके में फायरिंग का आरोप लगाया। जिसमें लाडले पर मुकदमा दर्ज कराया। मगर पुलिस जांच में मुकदमा झूठा पाया गया। जिसे पुलिस ने खारिज कर दिया। इसके बाद करीब एक वर्ष पहले लाडले व उसके भाई पर एसपी सिटी आवास के सामने लालडिग्गी रोड पर फायरिंग हुई। हालांकि दोनों बाल-बाल बच गए।

इस घटना में आदम को पुलिस ने जेल भेजा था। बिल्डर के भाई शहजी ने भी सोमवार को हमले के बाद दर्ज कराए मुकदमे में इस हमले का जिक्र किया है। मगर रंजिश के कारणों का जिक्र नहीं किया। मगर आदम ने स्वीकारा है कि उसी रंजिश में सोमवार को उसने लाडले पर हत्या के इरादे से फायरिंग की। वह उसे मृत समझकर ही वहां से हवाई फायरिंग करते हुए भागा।

गुस्से में मारीं चार-चार गोलियां

आदम ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसके मन में लाडले के प्रति बेहद गुस्सा था। इसी गुस्से में वह सुबह से अकेले में मिलने का इंतजार कर रहा था। कई दिन से उसने निगरानी की। जब नमाज पढ़कर जाते समय अकेले में अवसर मिला तो गोली मार दीं। लाडले को गुस्से में चार-चार गोली मारी गईं।

बुलट बाइक पर दिखे दो हमलावर

घटना के बाद सीसीटीवी की जांच करते हुए पुलिस ने एएमयू सर्किल के एक सीसीटीवी में बुलट बाइक पर सवार दो हमलावर चिह्नित किए हैं। जिनकी पहचान आदम व वसीम के रूप में हुई है। घटना से कुछ कदम पहले दोनों ने मुंह पर मास्क लगा रखे थे, जबकि घटना के बाद उनके मास्क उतर गए थे।

बेटी को कोचिंग से लेने जा रहे बिल्डर पर हमला

यूपी के अलीगढ़ के सिविल लाइंस इलाके में जामिया उर्दू रोड पर सोमवार दोपहर स्कूटी सवार बिल्डर जुल्फिकार उर्फ लाडले खां (48) पर बुलट सवार दो हमलावरों ने गोलियां बरसा दीं। उन्हें चार गोलियां लगीं हैं। उन्हें गंभीर हालत में जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। परिवार वालों का कहना है कि वह कोचिंग गई बेटी को लेने जा रहे थे।

मूल रूप से छर्रा कोठी मोहल्ला के निवासी पेशे से बिल्डर लाडले खां परिवार के साथ सिविल लाइंस क्षेत्र के मेडिकल रोड पर स्थित रिफा पैलेस में रहते हैं। उनकी जकरिया मार्केट पर दवा की दुकान भी है। सोमवार दोपहर करीब 1:45 बजे वे जामिया उर्दू के पीछे की मस्जिद से नमाज पढ़कर स्कूटी पर सवार होकर बेटी को लेने कोचिंग सेंटर जा रहे थे। तभी एडीएम कंपाउंड के सहारे पहुंचते ही पीछे से आए बुलट सवार दो हमलावरों ने उन्हें स्कूटी में टक्कर मारकर रोका।

फिर पहली गोली पीछे से पीठ में मारी। इसके बाद उन्हें ताबड़तोड़ तीन गोलियां और मारी गईं। साथ में दो राउंड हवाई फायर भी किए गए। मौके पर कुल छह राउंड फायर हुए। हमले में दो गोली पेट-सीने पर, एक कनपटी पर व एक सीधे बाजू में लगी।

ताबड़तोड़ फायरिंग से इलाका दहल गया। लाडले बिल्डर वहीं लहूलुहान हालत में गिर गए। सूचना पर इलाका पुलिस व परिचित भी पहुंच गए। आनन-फानन उन्हें ई-रिक्शा के जरिये मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। इधर, एसपी सिटी, सीओ तृतीय ने भी फील्ड यूनिट संग घटनास्थल व मेडिकल कॉलेज पर जांच पड़ताल की।

बिजली कटौती व जन समस्याओं को लेकर कांग्रेसियों का जोरदार प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व में किसान, बिजली कटौती व जन समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया गया व महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से सौंपा गया। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि धान की रोपाई का समय चल रहा है किसानों को खाद बिजली की परेशानी से जूझना पड़ रहा है लेकिन सरकार इस पर कोई कार्य नहीं कर रही है व इस सरकार में बिजली कटौती से त्राहि त्राहि कर रही है लेकिन जिले के जनप्रतिनिधि व प्रशासन चैन की नींद सो रहे हैं उनको जनता की समस्या से कोई सरोकार नहीं है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलाहुद्दीन हाशमी व पूर्व प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा ने कहा कि जिले का किसान बिजली खाद को लेकर और जिले की आम जनता बिजली कटौती से बहुत परेशान है लेकिन जिले का प्रशासन जन समस्याओं को लेकर बहुत ही संवेदनहीन है जो निंदनीय है जो सरकार बिजली पानी खाद की व्यवस्था नहीं कर सकती उसको सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है। मीडिया कॉर्डिनेटर राजेश तिवारी व सुब्रत सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार में करेंट ग़ायब है योगी जी अब भी प्रदेश को मठ की तरह चलाना चाहते है। किसानो को बिजली, पानी और खाद समय से नहीं मिल पा रही। यह सरकार जन हित के मुद्दे पर पूरी तरह से फेल है। इस मौके पर साफिया शाहबाज खान, रामकिशोर, मोहित तिवारी, हाजी फिरोज, बजरंग प्रसाद रावत, कृष्ण चंद्र जायसवाल, शुभम रावत, श्याम लगन, समीर शेख समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पत्नी हुई बीमार तो पति ने अपनी ही बेटी पर डाली गंदी नजर, करने लगा यौन शोषण...

पीड़िता ने मामा को सुनाई पीड़ा; पहुंचाया जेल

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। यूपी के उन्नाव जिले से एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति बाप-बेटी का रिश्ता कलंकित कर दिया। व्यक्ति अपनी ही आठ साल की बेटी का यौन शोषण करता रहा। मासूम ने अपने साथ हुई घटना की जानकारी अपनी मामी को दी तो मामला सामने आया। मामा की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी पिता को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया है। मामला जिले के आसीवन थाना क्षेत्र का है।

आरोपी पिता का नाम रईस उर्फ लालू है। वो अपनी बीमार पत्नी और बेटी के साथ पिछले कई सालों से ससुराल में ही रहता था। आरोपी मुबंई में सिलाई का काम करता था। फिर पत्नी के बीमार होने पर वह पिछले

साल लौटकर ससुराल आ गया। तब से वह अपनी ससुराल में ही रह रहा था। आरोपी पिता शराब पीने का भी आदी था। वो नशे की हालत में अपनी मासूम बेटी के साथ गलत हरकत करता था।

खुली पिता की हैवानियत की पोल

जब मासूम की मां और अन्य भाई-बहन सो जाते थे तो आरोपी बेटी को अलग कमरे में ले जाता था और उसका यौन शोषण करता था। आरोपी पिता यह काम पिछले दो-तीन महीने से कर रहा था। इसके साथ ही वह मासूम बेटी से कहता था यह बात किसी को बताना नहीं, लेकिन आखिर में मासूम ने अपने साथ घट रही घटना अपनी मामी को बताई तो पिता की हैवानियत की पोल खुली। पीड़िता की मामी ने यह बात अपने पति को बताई तो मामा भी अचंभित हो गए।

मामले में पुलिस ने क्या बताया?

इसके बाद उन्होंने इस मामले की शिकायत पुलिस से की। आसीवन थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है। सीओ अरविंद चौरसिया ने बताया कि मामला मंगलवार का है। एक पिता अपनी आठ वर्षीय मासूम बेटी का शोषण कर रहा था। पीड़िता के मामा की शिकायत पर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

अव्यवस्था का शिकार बनी तहसील बल्दीराय

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। तहसील बल्दीराय आठ वर्ष बाद भी अव्यवस्था का शिकार बन कर रह गई है, तहसील परिसर में न पीने का पानी न शौंचाचय की सुविधा यहां अधिवक्ता स्टाम्प बेंडर वादी प्रतिवादी आदि लोग परिसर में हो रही असुविधा से परेशान है। तहसील परिसर में सुलभ शौचालय का तो निर्माण हुआ है लेकिन सफाई के अभाव में वहां गंदगी व्याप्त है गंदगी इतनी है आस पास जाने पर भी लोग मुंह ढक लेते है कई बार इसकी शिकायत भी हुई लेकिन शीर्ष अधिकारियो की शिथिलता के चलते कार्यवाही हो पाना मुश्किल है। तहसील परिसर में लगा आरो काफी दिनो से खराब है जिससे परिसर में आए वादी प्रतिवादी अधिवक्ता स्टांप बेंडर पीने के पानी के तरस रहे है खराब आरो को शिकायत होने के बाद भी नही बनवाया गया। तहसील परिसर में लोगों को स्वच्छ पानी मिले इसके लिए आरो लगवाया गया लेकिन खराब होने के बाद किसी सक्षम अधिकारी ने खराब आरो की रिपेयर के लिए कोई कदम नहीं उठाया तहसील परिसर में आए वादी प्रतिवादी स्टांप वेंडर अधिवक्ता सहित अन्य लोग भीषण गर्मी में पानी के लिए तरस रहे हैं अधिवक्ताओं ने बताया कि आरो ठीक कराया अति आवश्यक है जिससे गर्मी में लोगों को राहत मिल सके। तहसील परिसर में उगी झाड़यि सफाई व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगा रही है मुख्यालय पर स्थित विकासखंड कार्यालय भी है जहां दर्जनों की संख्या में सफाई कर्मी तैनात है लेकिन तहसील परिसर में साफ सफाई कभी नहीं करते झाड़यिां में आए दिन विषैले जंतु देखे जाते हैं, जिससे अधिवक्ता वादी प्रतिवादी डरकर भागते रहते हैं पिछले कई वर्षो से तहसील परिसर में सफाई करने के लिए कोई भी सफाई कर्मी की स्थाई नियुक्ति नहीं है बल्दीराय कस्बे में ही कार्यरत सफाई कर्मी कभी कभार आता है।

यूपी के इस जिले में ड्रोन का रहस्य जांचने में जुटी 21 थानों की पुलिस, दहशत, गांवों में लोग जागकर काट रहे रात

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। रात के अंधरे में आसमान में मंडाराते ड्रोन का सच जानने के लिए बिजनौर पुलिस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। एसपी ने 21 थानों की पुलिस के साथ-साथ एसओजी और सर्विलांस टीम को ड्रोन उड़ाने वालों की तलाश में लगाया गया है। सोमवार रात को भी जिले के करीब पचास गांवों में कई जगह लोगों ने जागकर पहरा दिया।

पुलिस ने बीटीएस से 100 से अधिक मोबाइल नंबर भी उठाए हैं। उनकी जांच की जा रही है। रात में कई स्थानों पर ड्रोन देखा गया है। इससे लोग दहशत में आ गए और रातभर जागकर काटी। इसके अलावा कई इलाकों में लोग रात में जागकर पहरा लगाने दे रहे हैं।

यह बोले अधिकारी

एसपी अभिषेक झा का कहना है कि कुछ स्थानों पर ड्रोन देखे गए हैं। हालांकि, हवाई जहाज होने की सूचनाएं मिली हैं। फिर भी पुलिस पूरे घटनाक्रम को स्पष्ट करने की लिए जांच में लगी है। सभी थानों पुलिस को अपने-अपने क्षेत्र में जांच करने के निर्देश दिए हैं। स्वाट और सर्विलांस को लगाया गया है। अफवाह को ध्यान न दें। ड्रोन होने पर पुलिस को सूचना दें।

डीआइजी मुनिराज जी का कहना है कि बदमाशों द्वारा ड्रोन से रेकी करने की सूचनाएं मिल रही है। कई दिन से पूरी रेंज में यह शोर है। इसलिए रेंज की पुलिस को जांच का निर्देश दिए गए हैं। गांव-गांव बीट सिपाही को गश्त करने के लिए कहा गया है। जल्द ही पूरी स्थिति को स्पष्ट किया जाएगा।

पूरे जिले में जगह-जगह शोर मच रहा

जिले में ड्रोन और बदमाश होने का शोर रुक नहीं रहा है। पूरे जिले में जगह-जगह शोर मच रहा है। आसमान में मंडराते ड्रोन लोगों में किसी अनहोनी की आशंका जता रहे हैं। मंदिर-मस्जिद से सतर्क रहने का एलान किया जा रहा है। पूरी रात लोग जागकर काट रहे हैं और पहरा दे रहे हैं।

महिलाएं जेवरात बैंक लाकर में जमा कराने लगीं

लोग इस कदर दहशत में है कि महिलाएं अपने जेवरात बैंकों के लाकर में जमा कराने में लगी हैं। लोग वीडियो बनाकर प्रसारित कर रहे हैं। वीडियो बनाने में स्योहारा के एक युवक की जान भी जान चुकी है। अफसोस सिस्टम इस रहस्य से पर्दा उठाने में नाकाम हैं।

ड्रोन साजिश का हिस्सा है या किसी की शरारत

पुलिस अब तक पता नहीं लगा पाई है कि ड्रोन साजिश का हिस्सा है या किसी की शरारत। जिले में मची उथल-पुथल के बाद बिजनौर पुलिस हरकत में आ गई है। एसपी ने ड्रोन का पता लगाने के लिए सभी के सभी 21 थानों की पुलिस को गश्त करने के निर्देश दिए हैं।

ग्राम प्रधानों से पुलिस संपर्क कर रही

ग्रामीणों क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है। अपने-अपने क्षेत्र में ड्रोन संचालकों की सत्यापन और नजर रखने के लिए निर्देश दिए गए हैं। स्वाट व सर्विलांस टीम को भी लगाया गया है। सर्विलांस टीम ने ड्रोन उड़ने वाले क्षेत्र में बीटीएस से 100 से अधिक मोबाइल नंबर उठाए हैं। पुलिस लोगों को जागरूक भी का रही है। ग्राम प्रधानों से पुलिस संपर्क कर रही है। डीआइजी मुनीराज जी ने भी रेंज की पुलिस को सतर्कता बरतने की निर्देश दिए हैं।

आईडीएफसी बैंक से ग्राहक का लाखों का सोना चोरी, कर्मचारियों पर मामला दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मझोला क्षेत्र के दिल्ली रोड स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में रखा ग्राहक का तीस लाख का सोना चोरी हो गया। बैंक से तीन लाख रुपये का लोन देने के बाद ग्राहक ने 365.53 ग्राम सोना गिरवी रखा था।

चार जुलाई को बैंक अधिकारियों को सोना चोरी की जानकारी हुई। मांगने के बाद भी लॉकर का संचालन करने वाले कर्मचारियों द्वारा सोना वापस नहीं देने पर बैंक के लोकेशन मैनेजर ने सूरज सैनी और पवन सैनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। लोकेशन मैनेजर निजाम का कहना है कि बैंक की ओर से ग्राहक को जेवरात के सभी रुपये दे दिए गए हैं।

मझोला निवासी एक व्यक्ति ने कुछ माह पहले आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से करीब तीन लाख रुपये का लोन लिया था। उसके बदले ग्राहक के द्वारा 365.53 ग्राम सोने के जेवरात बैंक में गिरवी रखे थे।

जिसकी कीमत करीब तीस लाख रुपये हैं। उधर, बैंक में लाकर का संचालन करने वाले पवन सैनी और सूरज सैनी ने जून माह में सोने के जेवरात चोरी कर लिए और 21 जून से बिना बताए बैंक में आना बंद कर दिया। बैंक के द्वारा उन्हें नोटिस भेजा गया, लेकिन वह नहीं आए।

लोन के रुपये लेकर जमा करने पहुंचे थे बैंक

चार जुलाई को ग्राहक लिए गए लोन के रुपये लेकर बैंक में जमा करने पहुंच गया। रुपये जमा करने के बाद जब उन्होंने गिरवी रखा सोना मांगा। कर्मचारियों ने लाकर खोलकर देखा तो सोना गायब था। इसके बाद बैंक में हड़कंप मच गया। बैंक के मैनेजर दोनों कर्मचारियों के घर पहुंचे। वहां उन्हें बताया गया कि दोनों ने जहरीला पदार्थ खा लिया और उनका उपचार चल रहा है। कर्मचारियों की तलाश लगातार करते रहे, लेकिन उनका पता नहीं चला।

सोना गिरवी रखकर ग्राहक लेते हैं लोन

सोमवार को लोकेशन मैनेजर निजाम ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि बैंक की शाखा मझोला क्षेत्र में दिल्ली रोड स्थित है। शाखा में गोल्ड लोन देने की सुविधा है। ग्राहक अपना सोना गिरवी रखकर लोन लेते हैं। उन्होंने बताया कि समीक्षा के दौरान तिजोरी से सोने के साथ सात पैकेट वजन (365.53 ग्राम) गायब मिले।

जिसकी जिम्मेदारी शाखा के कर्मचारी पवन सैनी और सूरज सैनी की थी। सूरज ने पूछताछ में एक पैकेट चोरी करने की बात पूछताछ में स्वीकार भी की है। शाखा के दो अन्य उप संरक्षक निजाम और अक्षय दीप हैं। यह दोनों पवन और सूरज की अनुपस्थिति में तिजोरी का संचालन करते हैं।

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि शिकायती पत्र के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बिग बॉस फेम शिवानी के गांव पहुंचा अमेरिका का यू-ट्यूबर, बैलगाड़ी में घुमाया... स्वागत में उमड़ा पूरा गांव

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया की रहने वाली बिग बॉस फेम शिवानी कुमारी के गांव अरियारी में उस वक्त खुशी की लहर दौड़ गई। जब अमेरिका से आए मशहूर फिटनेस कोच और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर मारविन आची अपने दोस्तों के साथ गांव पहुंचे। यह खास दौरा शिवानी कुमारी के आमंत्रण पर हुआ, जिनसे मारविन की मुलाकात बिग बॉस के बाद सोशल मीडिया के जरिए हुई थी।

जैसे ही विदेशी मेहमान अरियारी गांव पहुंचे। गांववालों ने उनका ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और पारंपरिक तिलक से जोरदार स्वागत किया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी विदेशी मेहमानों को देखने को उमड़ पड़े। मारविन आची और उनके साथियों ने ग्रामीण परिवेश को

करीब से महसूस किया। शिवानी कुमारी ने उन्हें बैलगाड़ी की सवारी कराई। बैलगाड़ी पर बैठे मारविन ने भोजपुरी अंदाज में गुनगुनाया, 'हल्की हो या भारी, 10 रुपये सवारी...' जिसे सुन गांव के लोग भी हंस पड़े।

खास देसी खाने का किया इंतजाम

इसके बाद मेहमानों को खेत-खलिहान घुमाया गया। जहां उन्होंने खेती की पारंपरिक विधियां देखीं। गांव की मिट्टी, हरे-भरे खेत और सादगी से वह बेहद प्रभावित हुए। गांव में उनके लिए खास देसी खाने का भी इंतजाम किया गया था। मेहमानों ने मक्के की रोटी, मट्ठे वाले आलू, साग, गुड़ और चूल्हे पर बना देसी घी का खाना बड़े चाव से खाया। इस यादगार मुलाकात के दौरान शिवानी कुमारी ने मारविन को भगवान बुद्ध की एक सुंदर प्रतिमा भेंट की।

शिवानी और पूरे गांव का आभार जताया

मारविन ने इतने प्यार और सम्मान के लिए शिवानी और पूरे गांव का आभार जताया। मारविन आची के इंस्टाग्राम पर 5 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा था कि वे भारत की संस्कृति को जानने के लिए गांवों की यात्रा करना चाहते हैं और शिवानी कुमारी का इनविटेशन मिलने के बाद उन्होंने अरियारी गांव आकर उस वादे को पूरा किया।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

इस दौरान उनके इस विजिट का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शिवानी कुमारी ने मारविन आची को भारत में वेलकम करने से लेकर गांव में घूमाने तक का पूरा वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। उनकी इस वीडियो को 24 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और कमेंट बॉक्स में लोग शिवनी कुमार की तारीफ और मारविन आची का स्वागत कर रहे हैं।

उदासीन संगत आश्रम मामले में पीड़ित व्यापारियों के साथ रहने का दिया आश्वासन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के लखनऊ नाका म.न. 512 सैकड़ों वर्षों से स्थित उदासीन संगत आश्रम गुरुद्वारे/मंदिर के करोड़ों रूपए की संपत्ति का फर्जी बैनामे करके विक्रय किए जाने के प्रकरण में सोमवार को पीड़ति व्यापारियों से जो बतौर किराएदार निवास कर रहे है भाजपा की प्रदेश कार्य समिति सदस्य भावना सिंह और अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल सुल्तानपुर के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और हर परिस्थिति में साथ रहने का आश्वासन दिया। सोमवार को भाजपा नेत्री भावना सिंह व अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल सुल्तानपुर का प्रतिनिधि मंडल देर शाम भाजपा महिला मोर्चा सुल्तानपुर की निवर्तमान जिला मंत्री मंजू सागर कसौधन के निवास लखनऊ नाका पर पहुंचा था। भावना सिंह ने समाजवादी पार्टी सुल्तानपुर के नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार अग्रहरि उर्फ राजू चौधरी व उनके संबंधियों संतोष चौधरी व पंचरास्ता स्थित यात्रा ट्रेवल्स के प्रोपराइटर लोकनाथ अग्रहरि पर मंदिर/गुरुद्वारे जैसी धार्मिक सम्पत्ति को फर्जी तरीके से विक्रय किए जाने तथा अपनी पत्नियों के नाम पर बैनामा करने के आरोप पर कहा कि एक राष्ट्रीय पार्टी के पदाधिकारी को ऐसा कार्य करना उन्हें शोभा नहीं देता। श्रीमती सिंह ने कहा कि प्रशासन से मेरी मांग है कि इस पर शीघ्र से शीघ्र कार्यवाही हो और अगर आवश्यकता पड़ी तो उक्त प्रकरण को वो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष ले जाएंगी। वहीं अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री के नेतृत्व में दर्जनों पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचकर पीड़ति व्यापारियों का हाल चाल लिए। पीड़ति व्यापारियों ने बताया कि उनका परिवार दशकों से उदासीन संगत आश्रम के अंतर्गत निर्मित भवनों में किराएदार के रूप में रह रहे हैं, पूर्व में महंत बाबा प्रयागदास जी (जिनकी कुछ वर्ष पूर्व में मृत्यु हुई) तक के रहते हुए उन्हें कभी किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ा। वर्तमान में आश्रम के महंत बाबा शीतलदास है। व्यापारियों ने बताया कि अभी कुछ दिन से विपक्षियों के द्वारा उन्हें और उनके परिवारजनों को डराए धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश मंत्री ने कहा कि धर्मेंद्र कुमार उर्फ राजू चौधरी पर समाजवादी पार्टी संगठन को कठोर कार्यवाही करते हुए उन्हें संगठन से निष्कासित किया जाना चाहिए। उन्होंने पीड़ति व्यापारियों से कहा कि किसी भी अप्रिय घटना होने की आशंका प्रतीत होने पर फौरन 112 डायल करके पुलिस सहायता प्राप्त करें। महिलाओं के लिए सरकार द्वारा जारी 1090 विमेन हेल्पलाइन का भी प्रयोग किया जा सकता है। विदित हो कि उक्त सम्पत्ति के 9 फर्जी बैनामे हुए है जिसमें से दो हिस्से जिसमें दुकान और आवासीय मकान निर्मित है का विक्रय किया जा चुका है।

यूपी में वर्तमान कृषि उत्पादन से तीन गुना अधिक करने की क्षमता: सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भी यूपी में सर्वाधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र कृषि है। लगभग तीन करोड़ किसान कृषि पर निर्भर करते हैं। इसके बाद सर्वाधिक रोजगार एमएसएमई दे रहा है। इसके माध्यम से 1.65 करोड़ लोग रोजगार प्राप्त करते हैं। सीएम ने कहा कि कृषि पलायन का नहीं, बल्कि खुशहाली का माध्यम बने। यह तभी संभव है, जब इस क्षेत्र में किए जाने वाले अनुसंधान का लाभ किसानों को दे पाएंगे। सीएम ने कहा कि यूपी विकसित होता है तो भारत को विकसित होने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में ईमानदारी से प्रयास करता है तो उस लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के 36वें स्थापना दिवस में शिरकत की। सीएम ने प्रदर्शनी का अवलोकन और पुस्तिकाओं-न्यूज लेटर का विमोचन किया। उन्होंने राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विकसित कृषि-विकसित उत्तर प्रदेश@ 2047' में अपने विचार भी रखे। सीएम ने कृषि वैज्ञानिकों, युवा प्रतिभाओं, एफपीओ आदि का सम्मान भी किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कृषि व कृषि अनुसंधान की दृष्टि से यूपी प्रकृति व परमात्मा की कृपा वाला प्रदेश है। हमारे पास विस्तृत और उर्वरा कृषि भूमि, पर्याप्त जल संसाधन है। दुनिया में यूपी एकमात्र ऐसा राज्य होगा, जिसका 86 फीसदी से अधिक भूभाग सिंचित है। यहां केंद्र व राज्य सरकार के कृषि विश्वविद्यालयों का बेहतरीन संजाल है। यूपी सरकार पहले से चार कृषि विवि संचालित कर रही है। पांचवां विवि भी स्थापित हो रहा है। केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश में पहले से ही कृषि विवि संचालित हो रहे हैं और कृषि अनुसंधान के लिए 15 से अधिक संस्थान कार्यरत हैं। 89 कृषि विज्ञान केंद्र भी अपनी विशेषज्ञता का लाभ किसानों को प्रदान करते हैं। इसके बावजूद किसानों की स्थिति चौंकाने वाले तथ्य प्रस्तुत करती है। प्रदेश के बमुश्किल 25 से 30 फीसदी किसान ही ऐसे हैं, जो वैज्ञानिक शोध व अनुसंधान के कार्यों को प्रभावी ढंग से खेती में लागू कर पा रहे हैं।

यूपी की भूमि से तीन गुना अधिक लिया जा सकता उत्पादन

उन्होंने कहा कि देश की आबादी का 16 फीसदी हिस्सा यूपी में निवास करता है। देश के कृषि योग्य कुल भूमि का केवल 11 फीसदी यूपी में है। इस भूमि पर देश का 20 फीसदी से अधिक खाद्यान्न उत्पादन हो रहा है। हालांकि यूपी की भूमि के समतलीकरण, उर्वरता, जल संसाधन को देखते हुए इससे तीन गुना अधिक उत्पादन लिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए कृषि शोध, विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। सीएम ने कहा कि वही देश विकसित हुए हैं, जिन्होंने अधिकाधिक शोध और विकास पर ध्यान दिया। उनका क्षेत्र अलग हो सकता है। जिसने जिस क्षेत्र में कार्य किया, वह वहां आगे बढ़ा।

यूपी के पास दुनिया का पेट भरने का भी सामर्थ्य

सीएम ने कहा कि यूपी के पास देश ही नहीं, दुनिया का पेट भरने का भी सामर्थ्य है। कृषि, हॉर्टिकल्चर, सब्जी के लिए हम बहुत कुछ कर सकते हैं। यहां के क्लाइमेटिक जोन के अनुरूप अनुसंधान और प्रकृति-पर्यावरण के अनुरूप शोध को बढ़ाने के लिए और गति दिए जाने की आवश्यकता है। सीएम ने कहा कि आपके द्वारा किए गए शोध व विकास के कार्यक्रमों की गति देश व प्रदेश की प्रगति में निर्णायक भूमिका का निर्वहन कर सकती है।

शॉर्ट टर्म, मीडियम व लॉन्ग टर्म प्लानिंग को लेकर भी चलना होगा

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2047 में जब भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की इकॉमनी होगा तो यूपी कहां होगा, उसकी प्रति व्यक्ति आय क्या होगी। कृषि, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी क्या स्थिति होनी है। इस पर यूपी ने व्यापक कार्ययोजना बनाई है। हम विजन 2047 की कार्ययोजना के साथ तो आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन हमारे पास शॉर्ट टर्म भी होना चाहिए कि हमें दो वर्ष में क्या अचीव करना है। हमें 2027, 29 और 35 की भी बात करनी चाहिए। पब्लिक को अपील करने के लिए शॉर्ट टर्म, मीडियम और लॉन्ग टर्म प्लानिंग को लेकर चलना होगा। कृषि विवि, कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान के लिए कार्यरत संस्थान इस दिशा में प्रयास प्रारंभ करें।

किसानों को डिमास्ट्रेशन के माध्यम से दें जानकारी

सीएम ने कहा कि कोई फसल एक महीने विलंब होगी और बीज वही पुराना है तो उसके प्रोड्क्शन पर भी 30 फीसदी तक असर होगा। सीएम ने पूछा कि क्या लेट वेरायटी के लिए किसानों को तैयार किया। बीज की उपलब्धता व डिमास्ट्रेशन के लिए किसान को प्रशिक्षित किया। यदि कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विवि, अनुसंधान केंद्रों के माध्यम से समय पर सही जानकारी व डिमास्ट्रेशन से बताएंगे नहीं कि इस बीज से इसका इतना प्रोडक्शन लिया जा सकता है तो उसे विश्वास नहीं होगा।

महिलाओं के नाम रजिस्ट्री कराने पर मिलेगी छूट... यूपी कैबिनेट में 37 प्रस्तावों को दी मंजूरी

महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर स्टांप में छूट देने का फैसला लिया गया है। एक करोड़ तक की रजिस्ट्री में एक फीसदी स्टांप तक की छूट दी जाएगी। इसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये रखी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में कैबिनेट ने 37 प्रस्तावों को मंजूरी दी है। के बाद यूपी सरकार के मंत्रियों ने फैसलों के बारे में जानकारी दी। बैठक में निर्णय लिया गया कि छात्रों को स्मार्टफोन नहीं बल्कि सिर्फ टैबलेट दिया जाएगा। इसके लिए दो हजार करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। अभी तक 60 लाख बच्चों को टैबलेट दिया जा चुका है। मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से सभी 121 पॉलीटेक्निक में टाटा टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित होगा। पहले चरण में 45 पॉलीटेक्निक अपग्रेड किए जाएंगे। इस पर 6935 करोड़ का खर्च आएगा। इसके सारे उपकरण टाटा कंपनी उपलब्ध करवाएगी। प्रति पॉलीटेक्निक 57 करोड़ रुपये का खर्च होगा। ये कायाकल्प एक साल में होगा। पशुधन मंत्री ने बताया कि पराग डेयरी को नोएडा में भूखंड को दिया जाएगा। बैठक में यूपी विधानसभा का मानसून सत्र 11 अगस्त तक चलाने का निर्णय लिया गया। बुंदेलखंड और पूर्वांचल के किसानों की आमदनी बढ़ाने केलिए विश्व बैंक साथ साझा कार्यक्रम यूपी सरकार चला रही। इसके तहत जेवर एयरपोर्ट के पास प्रोसेसिंग और निर्यात की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। जेवर पर कार्गो का बड़ा सिस्टम डेवलप किया जा रहा। उन्नाव में हेचरी सीड उपलब्ध कराने के लिए यूएई की कंपनी 4000 करोड़ का निवेश करेगी।

व्यक्ति ने आम के पेड़ से लटक कर दी जान

लखनऊ। गोसाईंगंज इलाके के एक गांव में एक व्यक्ति ने गांव के बाहर आम के पेड़ से रस्सी के सहारे लटक कर जान दे दी। सुबह जब लोगो ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची गोसाईंगंज पुलिस ने ग्रामीणों के सामने फंदे से उतारकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

गोसाईंगंज इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार क्षेत्र के अलिया मऊ गांव के रहने वाले प्रताप रावत (45) ने रात के वक्त घर से गांव के बाहर चला आया। जहां उसने आप के पेड़ से रस्सी के सहारे लटक कर अपनी जान दे दी। पुलिस ने बताया कि भाई पूर्णवासी के अनुसार मृतक की पत्नी की मौत के बाद से वह दुखी रहता था। वह अकेले ही रहना पसंद करते थे। आत्महत्या का कोई अन्य और कोई कारण नहीं हो सकता था। मृतक के परिवार में दो बेटे गुड्डू व सोनू हैं ।

डिप्टी सीएम केशव का बड़ा आरोप, 'कांवड़ यात्रा में अपने लोगों को भेज कर माहौल खराब कर रही सपा'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे शक है कि कांवड़ यात्रा में सपा अपने लोगों को भेज कर माहौल खराब करने का प्रयास कर रही है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, ₹जहां भी कोई कांवड़ियों के भेष में माहौल खराब करने की कोशिश कर रहा है, वह कांवड़ियों को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। मुझे शक है कि समाजवादी पार्टी ऐसे लोगों को भेजकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है... भाजपा कानून के मुताबिक कार्रवाई करती है और जब वह कार्रवाई करती है तो तुष्टीकरण करने वालों को इससे तकलीफ होती है।₹

बता दें कि सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसमें कांवड़ यात्रा में जाने वाले लोग उपद्रव और तोड़फोड़ कर रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बयान दिया है और कहा कि जो लोग उपद्रव कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अब इसे लेकर उपमुख्यमंत्री केशव ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है।

महिला शक्ति को संगठित कर कांग्रेस को सशक्त बनाने का संकल्प, अजय राय बोले– बदलाव की उम्मीद अब कांग्रेस से

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान को नई गति देने और प्रदेश की आधी आबादी यानी महिलाओं को पार्टी से जोड़ने के उद्देश्य से आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्वी जोन की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता पूर्वी जोन महिला कांग्रेस की अध्यक्ष शहला अहारारी ने की, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी और पूर्व विधायक मीता गौतम भी उपस्थित रहीं।बैठक में महिला संगठन के जिला, ब्लॉक, बूथ और वार्ड स्तर की इकाइयों के गठन पर चर्चा हुई। इसमें दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग की महिलाओं को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया। तय किया गया कि कमेटियों में 15 प्रतिशत अनुसूचित जाति, 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक और 25 प्रतिशत ओबीसी वर्ग की महिलाओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।महिलाओं को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि आज देश की आधी आबादी महिलाओं की है और भारतीय जनता पार्टी सत्ता में इसलिए है क्योंकि इनका वोट उसे मिला, लेकिन सत्ता में आने के बाद भाजपा सरकार ने मातृ शक्ति की लगातार उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं, थानों में एफआईआर तक दर्ज नहीं होती। महंगाई ने घरों के बजट को तोड़ दिया है, मगर सरकार केवल धर्म के नाम पर अपनी नाकामियों को छुपा रही है।अजय राय ने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और कांग्रेस की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है।

राज्य निर्वाचन आयोग की विशेष कार्य अधिकारी बनीं गरिमा स्वरूप, प्रदेश में नौ पीसीएस इधर से उधर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में मंगलवार को 9 पीसीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। अरविंद कुमार मिश्रा को अपर सूचना निदेशक बनाया गया है जबकि गरिमा स्वरूप को विशेष कार्य अधिकारी राज्य निर्वाचन आयोग नियुक्त किया गया है। वह अभी तक बाल विकास पुष्टाहार निदेशालय में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थीं।

इसी तरह विनोद कुमार गौड़ को फर्रूखाबाद का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है। वह अभी तक उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के उप सचिव के पद पर कार्यरत थे।

अभी तक प्रतीक्षारत डॉ. अलका वर्मा को निदेशक (प्रशासन) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा पद पर नियुक्त किया गया है। गौरव रंजन श्रीवास्तव को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के उप सचिव पद पर तैनात किया गया है।

अमित कुमार को बहराइच का अपर जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। महेंद्र पाल सिंह को अपर जिलाधिकारी (नगर पूर्वी) लखनऊ बनाया गया है। इसी तरह अविनाश चंद्र मौर्य को अपर जिलाधिकारी औरैया नियुक्त किया गया है। वहीं, नरेंद्र सिंह को उपनिदेशक मंडी परिषद लखनऊ बनाया गया है। वह अभी तक मुरादाबाद के उपजिलाधिकारी के पद पर तैनात थे।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने गढ़मुक्तेश्वर के विकास के लिए 19 .50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। जनपद हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर और आस-पास के क्षेत्रों की धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को आधुनिक स्वरूप देने के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने 19.50 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के तहत न केवल तीर्थस्थलों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, बल्कि आधुनिक पर्यटक सुविधाओं का विकास भी होगा। इसका लक्ष्य देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित करना है।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि गढ़मुक्तेश्वर गंगा के किनारे स्थित एक पौराणिक एवं धार्मिक स्थल है, जो श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां मुक्तेश्वर महादेव मंदिर स्थित है, जिसे मनोकामनाओं की पूर्ति वाला माना जाता है। हर साल कार्तिक पूर्णिमा पर यहां पांच हजार वर्षों से चलने वाला ऐतिहासिक मेला आयोजित होता है।परियोजनाओं में ब्रजघाट के पुनर्विकास का भी उल्लेख है, जहां वॉटर लेजर शो, वेंडिंग जोन, फूड प्लाजा और सामुदायिक सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। इसके अलावा, नक्का कुआं, कल्याणेश्वर महादेव मंदिर और पंचायत मंदिर जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों का भी पर्यटन विकास किया जाएगा।मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि गढ़मुक्तेश्वर के आसपास ग्रामीण होमस्टे विकसित किए गए हैं, जिनमें पूठ पुष्पावती गांव शामिल है। यह प्राचीन गांव महाभारत कालीन धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा है और यहां के शिव मंदिर, शांत घाट व शंकर टीला आध्यात्मिक महत्व रखते हैं।

बिना टिकट यात्रियों की पकड़, भ्रष्टाचार में लिप्त सुलतानपुर डिपो के संविदा परिचालक पवन कुमार शुक्ला की सेवा समाप्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की सुलतानपुर डिपो में संविदा पर नियुक्त परिचालक पवन कुमार शुक्ला को भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से सेवा से हटा दिया गया है। पवन कुमार शुक्ला द्वारा ड्यूटी के दौरान नौ यात्रियों से किराया लेने के बावजूद टिकट जारी नहीं किया गया था। इस गंभीर अनियमितता की पुष्टि जांच में होने के बाद यह कार्रवाई की गई है।मामले का खुलासा 16 जुलाई 2025 को स्टेट फ्लाइंग चेकिंग स्क्वाड द्वारा की गई जांच के दौरान हुआ। वाहन संख्या यूपी 42 बीटी 5388 में सहायक यातायात निरीक्षक पंकज कुमार अम्बेश और रामजगत द्वारा की गई चेकिंग में पाया गया कि मोतिगरपुर से सुलतानपुर की यात्रा कर रहे 07 यात्री और कादीपुर से सुलतानपुर की ओर जा रहे 02 यात्री बिना टिकट यात्रा कर रहे थे।

चिनहट में होटल कर्मचारी की गोली मारकर हत्या का सनसनीखेज खुलासा, युवक–युवती गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। चिनहट थाना क्षेत्र स्थित होटल इशान-इन में सोमवार देर रात हुई गोलीकांड की गुत्थी पुलिस ने कुछ ही घंटों में सुलझा ली है। होटल के 20 वर्षीय कर्मचारी दिवाकर यादव की हत्या के मामले में चिनहट पुलिस ने मंगलवार को एक युवक और युवती को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार हत्या का कारण निजी रंजिश और आक्रोश था, जो एक विवादित टिप्पणी के बाद उत्पन्न हुआ।घटना सोमवार रात की है, जब दिवाकर यादव, निवासी बलहरी, थाना जयसिंहपुर, जनपद सुल्तानपुर, होटल इशान-इन के बाहर मौजूद था। इसी दौरान वहां पहुंचे आकाश तिवारी और उसकी महिला मित्र पुष्पा गौतम उर्फ पायल से उसका विवाद हुआ। आरोप है कि आकाश और पुष्पा होटल से निकलते समय दिवाकर की टिप्पणी से आहत हो गए थे। इसके बाद दोनों ने "सबक सिखाने" की मंशा से दोबारा होटल लौटकर दिवाकर पर हमला किया।

जैसे ही दिवाकर होटल के बाहर दिखाई दिया, आकाश तिवारी ने अपने पास रखे अवैध असलहे से उस पर गोली चला दी। गोली लगते ही दिवाकर वहीं गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद भगदड़ मच गई। हमलावर भागने की कोशिश में थे, लेकिन आकाश की मोटरसाइकिल स्टार्ट नहीं हो सकी। ऐसे में दोनों आरोपी घटनास्थल से भाग निकले और लखनऊ के एक अन्य होटल में छिप गए। पुलिस ने बताया कि हत्या के मामले में देवेंद्र मिश्रा, निवासी प्रेमबाग कॉलोनी चिनहट, की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। चिनहट थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र मिश्र के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों—आकाश तिवारी और पुष्पा गौतम को तुलिप अपार्टमेंट के सामने फल मंडी रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में अभियुक्त आकाश ने हत्या की बात स्वीकार की और बताया कि दिवाकर की ओर से की गई टिप्पणी से वह और उसकी साथी पुष्पा आक्रोशित हो गए थे। इसी कारण उन्होंने हत्या की योजना बनाकर घटना को अंजाम दिया।पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी आकाश तिवारी का आपराधिक इतिहास पहले से मौजूद है। उस पर सुशांत गोल्फ सिटी और बीबीडी थाना क्षेत्रों में हत्या, मारपीट और एससी/एसटी एक्ट के तहत गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।चिनहट पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या के आरोप में विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वारदात में प्रयुक्त हथियार कहां से आया।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार का जन्मदिन मनाया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार, उप-मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र का जन्मदिन मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष हरिश्चन्द्र सिंह व अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं में प्रदेश महासचिव आनन्द गुप्ता, प्रवक्ता हसीन अहमद खां, प्रदेश उपाध्यक्ष शरद मिश्र, प्रदेश उपाध्यक्ष मंयक कुमार झा, प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग अरविन्द यादव, प्रदेश महासचिव कामिनी शर्मा, प्रदेश सचिव जंग बहादुर, प्रदेश महासचिव प्रवीण सिंह, एमएल प्रसाद, सौरभ शर्मा, डॉ. हरि प्रकाश हरि, मनीष तिवारी, दयाशंकर श्रीवास्तव, जय प्रकाश तिवारी, प्रतीक सिंह, प्रदीप सिंह, प्रमोद सिंह, दिलीप सिंह, सम्पूर्णानन्द पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार सोनकर प्रदेश महामंत्री आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

संजय सिंह का आरोप—बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण बना 'चुनावी घोटाला', राज्यसभा में उठाई आवाज़

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision – SIR) को लेकर मंगलवार को राज्यसभा में गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने नियम 267 के तहत नोटिस देकर सदन की समस्त कार्यवाही स्थगित कर इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग की।सांसद संजय सिंह ने कहा कि बिहार में चल रही वोटर लिस्ट रिवीजन प्रक्रिया एक बड़े "चुनावी घोटाले" का रूप ले चुकी है। यह प्रक्रिया न केवल अपारदर्शी है, बल्कि इससे लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला हो रहा है और करोड़ों मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हो रहे हैंउन्होंने कहा कि लोकतंत्र की बुनियाद माने जाने वाले मतदाता सूची के नियमित और पारदर्शी पुनरीक्षण को बिहार में जिस प्रकार लागू किया जा रहा है, वह असमानता को बढ़ावा देने वाला है—विशेषकर जब हम इसे आगामी 2025 के विधानसभा चुनावों के संदर्भ में देखते हैं। राज्य के लगभग 8 करोड़ मतदाताओं से ऐसे कठोर दस्तावेज़ मांगे जा रहे हैं, जिन्हें जुटा पाना गरीब, प्रवासी मजदूरों, छात्रों और सामाजिक रूप से वंचित तबकों के लिए बेहद कठिन है। खासतौर पर आधार कार्ड को अस्वीकार किया जाना, जबकि इसे सरकार स्वयं एक मान्य पहचान दस्तावेज मानती रही है, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।संजय सिंह ने यह भी कहा कि 2003 के बाद जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जुड़े थे, उनसे अब उनके माता-पिता की जन्मतिथि और जन्मस्थान का प्रमाण मांगा जा रहा है, जो कि ग्रामीण और गरीब वर्गों के लिए लगभग असंभव है। उनके पास न तो जन्म प्रमाण पत्र हैं, न स्कूल रिकॉर्ड, और न ही ऐसी प्रशासनिक पहुँच कि वे ये दस्तावेज़ तैयार करा सकें।उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि जनवरी 2023 में प्रवासी मजदूरों को दूरस्थ मतदान का जो वादा किया गया था, वह अब पूरी तरह विफल हो गया है और अब उन्हें अस्थायी अनुपस्थिति के आधार पर मतदाता सूची से ही हटाए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। यह लोकतंत्र की बुनियादी भावना—सार्वभौमिक मताधिकार—के खिलाफ है और संविधान के अनुच्छेद 326 का सीधा उल्लंघन है।आप सांसद ने कहा कि यदि मतदाता सूची में गड़बड़ी होती है तो उसका सीधा असर चुनावों की निष्पक्षता पर पड़ता है और लोकतंत्र की विश्वसनीयता को गहरा आघात पहुँचता है। उन्होंने मांग की कि बिहार में चल रहे इस विशेष पुनरीक्षण अभियान की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और इसे तत्काल रोका जाए, ताकि सभी नागरिकों को निष्पक्ष एवं सरल पुनरीक्षण की सुविधा मिल सके।संजय सिंह ने यह दोहराया कि वह चाहते हैं कि सदन इस मुद्दे पर तत्काल और गंभीर चर्चा करे, ताकि करोड़ों नागरिकों के मताधिकार की रक्षा की जा सके और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास कायम रह सके।

बीबीएयू में 25 जुलाई को होगा स्मार्टफोन और टैबलेट वितरण, 223 पासआउट विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ द्वारा डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पासआउट विद्यार्थियों को स्मार्टफोन और टैबलेट वितरित किए जाएंगे। यह वितरण कार्यक्रम 25 जुलाई 2025 को सुबह 11:30 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ सभागार (SEES हॉल) में आयोजित होगा। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राज कुमार मित्तल विद्यार्थियों को डिवाइस सौंपेंगे।डीन स्टूडेंट वेलफेयर (DSW) प्रो. नरेंद्र कुमार ने जानकारी दी कि इस योजना के द्वितीय चरण में 223 विद्यार्थियों को स्मार्टफोन या टैबलेट वितरित किए जाएंगे। ये वे विद्यार्थी हैं, जिनका डाटा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सत्यापित किया जा चुका है।

भूजल सप्ताह बना जल संरक्षण का जन आंदोलन, जीवनशैली में लाने का आह्वान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भूजल सप्ताह कोई औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती की प्यास बुझाने का एक संकल्प है, एक जन जागरण है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस अभियान को केवल एक सप्ताह तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में आयोजित भूजल सप्ताह-2025 के राज्य स्तरीय समापन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि जब हम सब मिलकर जल बचाने लगेंगे, तभी स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित भारत का निर्माण होगा।उन्होंने कहा कि जल हमारे ग्रह का जीवन रक्त है, जो जीवन को बनाए रखता है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में इसकी भूमिका बहुआयामी है और इसका संरक्षण

सर्वोच्च प्राथमिकता बन चुका है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल (प्रबंधन एवं विनियमन) अधिनियम-2019 लागू किया है, जिसके तहत सभी सरकारी, अर्द्ध सरकारी और शैक्षणिक भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य किया गया है।जलशक्ति मंत्री ने बताया कि प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर को देखते हुए सरकार ने अटल भूजल योजना को शेष जनपदों में भी लागू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण अब केवल जरूरत नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी बन गया है, और इसमें युवाओं की भागीदारी सबसे अहम है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 में भारत कैसा होगा, यह उनकी सोच और आदतों पर निर्भर करेगा। उनका एक कदम भारत को जल संकट से बचा सकता है।

समारोह में उपस्थित अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण विभाग व महानिदेशक, उपाम ने जल को प्रकृति का अनुपम उपहार बताते हुए इसके संरक्षण में जनसहभागिता को जरूरी बताया। उन्होंने जल की हर बूंद के संरक्षण, कृषि, उद्योग और दैनिक उपयोग में जल के इष्टतम प्रयोग का आह्वान किया ताकि आने वाली पीढ़ियों को भी भूजल उपलब्ध रह सके।अपर मुख्य सचिव, नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने बताया कि सरकार की प्राथमिकताओं में भूजल संरक्षण शामिल है। इसके लिए विभिन्न कार्यदायी विभाग सतत प्रयास कर रहे हैं। स्कूल-कॉलेजों को भी इसमें वृहद स्तर पर जोड़ा गया है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग, फसल विविधीकरण, खेत तालाब निर्माण, सूक्ष्म सिंचाई, मल्चिंग, धान की सीधी बुआई और मृदा संरक्षण जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है।समारोह में भूगर्भ जल विभाग के निदेशक सुनील कुमार वर्मा ने राज्य और जनपद स्तर पर आयोजित विविध कार्यक्रमों की जानकारी दी। इनमें क्लाइमेट पर चर्चा, चित्रकला प्रतियोगिता, जल जागरूकता कार्यशालाएं, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मीट और स्कूल आउटरीच कार्यक्रम शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने जल संरक्षण को जनमानस से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है।

डीप स्टेट' : राष्ट्र के विरुद्ध एक अदृश्य युद्ध...

"डीप स्टेट" — यह शब्द सुनते ही अमेरिका, यूरोप या वैश्विक खुफिया तंत्र की डरावनी छवियाँ उभरती हैं। दुर्भाग्यवश, भारत भी इस अदृश्य सत्ता-संरचना की पकड़ से अछूता नहीं रहा। यह Deep State कोई औपचारिक सत्ता नहीं, बल्कि नौकरशाही, न्यायपालिका, मीडिया, एनजीओ, अंतरराष्ट्रीय फंडिंग नेटवर्क और राजनीतिक परिवारों के गठजोड़ से निर्मित वह शक्ति है जिसका उद्देश्य राष्ट्र की नीतियों, संसाधनों, संस्कृति और आम जनमानस को नियंत्रित करना होता है। वर्तमान विपक्ष — विशेषकर कांग्रेस, वामपंथी दल और कुछ क्षेत्रीय पार्टियाँ — कहीं न कहीं इस Deep State तंत्र की कठपुतलियाँ बन चुकी हैं। सत्ता उनके लिए एक साधन नहीं, बल्कि संस्थागत नियंत्रण और आर्थिक लाभ का माध्यम है। सत्ता से बाहर रहते हुए वे इस अदृश्य सत्ता के माध्यम से नीति-निर्माण में हस्तक्षेप करते हैं और येन केन प्रकारेण सत्ता प्राप्ति के षड्यंत्र रचते रहते हैं। वामपंथी विचारधारा ने दशकों तक विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों पर कब्जा बनाए रखा। न्यायपालिका और नौकरशाही में भी वैचारिक घुसपैठ (ideological infiltration) के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं। विदेशी फंडिंग से संचालित NGO न केवल विपक्षी दलों के एजेंडे को बढ़ावा देते हैं, बल्कि शाहीन बाग, किसान आंदोलन, और CAA विरोध जैसे आंदोलनों को संगठित कर राष्ट्र के अंदर संवैधानिक और प्रशासनिक संकट की स्थिति पैदा करते हैं।

भारत में Deep State की जड़ें सबसे गहराई से गांधी-नेहरू परिवार के शासनकाल में पनपीं। इस परिवार ने दशकों तक सत्ता में रहते हुए न केवल संस्थानों को अपने एजेंडे के अनुसार ढाला, बल्कि नैरेटिव कंट्रोल के लिए मीडिया, शिक्षण संस्थानों और सरकारी तंत्र को एक खास वैचारिक दायरे में कैद कर दिया। इंदिरा गांधी के आपातकाल के दौरान प्रेस सेंसरशिप और संस्थागत दमन ने डीप स्टेट को स्थायी आधारशिला दी।

राजीव गांधी के कार्यकाल में आईटी और टेलीकॉम क्रांति के साथ-साथ पश्चिमी फंडेड एनजीओ का भारत में प्रसार हुआ — जिससे विदेशी एजेंडों को सामाजिक ताने-बाने में गहरी घुसपैठ करने का अवसर मिला। सोनिया गांधी के नेतृत्व में NAC (National Advisory Council) नामक एक समानांतर सत्ता केंद्र स्थापित किया गया, जिसने कई नीतिगत निर्णयों को प्रत्यक्ष रूप से, बगैर संवैधानिक जवाबदेही के, प्रभावित किया। इसी दौर में Ford Foundation, Open Society Foundation (Soros) जैसे विदेशी संस्थानों ने भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया में गहरी पैठ बना ली।

यह Deep State भारत को सीधी जंग से नहीं, बल्कि एक Soft Civil War के ज़रिए तोड़ना चाहता है। इसके हथियार हैं: जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषा के नाम पर समाज में वैमनस्य फैलाना; सेना, पुलिस, चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई जैसे संवैधानिक संस्थानों पर अविश्वास पैदा करना; और भारतीय संस्कृति को 'पिछड़ापन' बताकर उसे प्रगति का विरोधी साबित करना।

जनता को आपस में लड़ाकर देश में अराजकता और अविश्वास की ऐसी स्थिति पैदा की जाती है, जहाँ गृहयुद्ध जैसे हालात बन जाएँ। यही स्थिति एक 'सत्ता परिवर्तन' की ओर ले जाई जाती है — जहाँ विदेशी ताक़तों की कठपुतली सरकार सत्तारूढ़ हो जाए। इनका अंतिम लक्ष्य स्पष्ट है: भारत की सांस्कृतिक रीढ़ को तोड़ना, उसे पश्चिमी उपभोक्तावाद, वैश्विक बाजारवाद,पश्चिमी उपनिवेशवाद और वामपंथी विचारधारा के अनुसार ढालना — ताकि देश की नीतियाँ भारत के हित में नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय एजेंडों के अनुरूप चलें।

भारत को आज केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि संस्थागत स्तर पर आंतरिक सुरक्षा को भी सुनिश्चित करना होगा। हमें वैचारिक, संस्थागत और संवैधानिक स्तर पर Deep State के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष छेड़ना होगा। जनता को यह समझना होगा कि केवल सरकार बदलना पर्याप्त नहीं होता जब तक कि लोकतंत्र की आड़ में लोकतंत्र को खोखला करने वाली संस्थागत शक्तियों को बेनकाब और निष्क्रिय नहीं किया जाता। अब समय है कि भारत का जागरूक नागरिक केवल वोट डालने तक सीमित न रहे बल्कि इस वैचारिक युद्ध में सक्रिय भूमिका निभाए चाहे वह सोशल मीडिया हो, शिक्षा तंत्र, न्याय प्रणाली, या नीति निर्माण — राष्ट्रवादी चेतना को पुनर्स्थापित करना ही भारत की सच्ची आज़ादी का अगला चरण है। भारत की असली स्वतंत्रता तभी संभव है जब यह राष्ट्र Deep State के चंगुल से मुक्त होगा। सरकारें चुनते समय हम यह जरूर ध्यान रखें कि जो सरकार आप चुन रहे हैं वह वास्तव में किसके लिए काम करने वाली है? जनता के लिए, या किसी अदृश्य और बाहरी शक्ति के लिए? क्या हम अपने लोकतंत्र की बागडोर वाकई जनता के हाथ में दे रहे हैं, या पर्दे के पीछे कोई वैश्विक सत्ता तंत्र- Deep State उसे नियंत्रित करने वाला है?

संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बर्बादी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है।

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है। ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान—सम्मान पर बेजा टीका—टिप्पणियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष—विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए। मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है।

2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि, पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। अब हिंडनबर्ग के बारे में एक भी शब्द राहुल गांधी या विपक्ष का कोई नेता बोलता सुनाई नहीं देता। विपक्ष की राजनीतिक सोच और विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए 'से नो टू वॉर' कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं?

इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए। 18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है। उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे प्रतिनिधि संसद के चालू सत्र में हंगामा करके राजनीति चमकाने और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की बजाय संसद के बहुमूल्य समय और संसाधनों का सकारात्मक और सार्थक उपयोग करेंगे।

अजब-गजब

पानी के नीचे बसेगी अनोखी दुनिया, जहां आप चलेंगे मछलियों के साथ, हैदराबाद में बनेगा देश का बड़ा टनल

हैदराबाद के प्रसिद्ध नेहरू जूलॉजिकल पार्क चिड़ियाघर में जल्द ही भारत का सबसे बड़ा सुरंग मछलीघर यानी अंडरवाटर टनल एक्वेरियम बनने जा रहा है. यह प्रोजेक्ट तेलंगाना सरकार के मीर आलम विकास कार्यक्रम के तहत पूरा किया जा रहा है और पर्यटकों को एक अनोखा समुद्री अनुभव प्रदान करेगा.

यह भारत का पहला और सबसे बड़ा अंडरवाटर टनल एक्वेरियम होगा, जहां विजिटर्स एक ग्लास टनल के अंदर से समुद्री जीवों को करीब से देख सकेंगे इसमें विभिन्न प्रकार की मछलियाँ, शार्क, समुद्री कछुए और अन्य जलीय जीव शामिल होंगे. एडवांस्ड वाटर फिल्ट्रेशन सिस्टम और आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, ताकि जलीय जीवों को प्राकृतिक वातावरण जैसा महसूस हो. एक्वेरियम के आसपास एजुकेशनल सेक्शन भी बनाया जाएगा, जहाँ समुद्री जीवन के बारे में जानकारी दी जाएगी यह बच्चों और छात्रों के लिए एक बेहतरीन जगह साबित हो सकती है जहां वो एंजॉय के साथ समुंद्र की जीव के बारे में पढ़ भी सकते है.

पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा

ऐसा माना जा रहा है की इस प्रोजेक्ट से हैदराबाद के पर्यटन को नया आयाम मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे. यह एक्वेरियम देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन सकता है और एक इनकम का जरिया भी बन जाएगा जिससे हैदराबाद की इकॉनमी को फायदा होगा

तेलंगाना सरकार का लक्ष्य है कि नेहरू जूलॉजिकल पार्क को विश्व स्तरीय चिड़ियाघर के रूप में विकसित किया जाए. इसके लिए पहले भी कई अपग्रेड किए गए हैं, जैसे सफारी पार्क, नॉक्टर्नल एनिमल सेक्शन और बच्चों के लिए इंटरएक्टिव जोन अभी इस प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है और उम्मीद है कि यह जल्द ही पर्यटकों के लिए खोला जाएगा.

ब्लॉग

कांवड़ यात्रा के साथ आम यातायात पर भी ध्यान दें

अशोक मधुप

अबसे एक दिन बाद 23 जुलाई को शिवरात्रि का पर्व है। लगभग एक सप्ताह से कावंड़ यात्रा चल रही है। सड़कों पर कांवड़ियों के समूह पवित्र नदियों से जल लेकर अपने गन्तव्यों के लिए रवाना हो चुके हैं। शिवरात्रि पर जलाभिषेक के बाद कावंड़ यात्रा पूर्ण हो जाएगी। सड़कों से गुजरते भोले के भक्तों के काफिले अपनी मंजिल पर पंहुचकर अगले छह माह के लिए रूक जाएंगे। जाड़ों में दुबारा शिवरात्रि पड़ेगी, तब ये यात्रा फिर शुरू होगी। फिर कांवड़ियों के काफिलें सड़कों पर होंगे। ज्योतिर्लिंग वाले सभी प्रदेशों में इस यात्रा को देखते हुए व्यापक व्यवस्था की जाती है। अन्य शिवालयों पर भी भारी तादाद में श्रद्धालु जल चढ़ाते हैं। कई बार किसी कांवड़ से किसी के टकराने या कावड़िए के दुर्घटनाग्रस्त होने पर कावड़िए प्रायः हंगामा करते हैं। कई जगह तोड़फोड आगजनी आदि पर उतर आते हैं, इसलिए प्रशासन पहले से सचेत रहता है। केंद्र में भाजपा सरकार आने और कई प्रदेशों में भाजपा की सरकार होने के बाद से इस कांवड़ यात्रा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। इनके लिए आनेजाने के मार्ग निर्धारित होने लगे। इन कांवड़ियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। अधिकतर महत्वपूर्ण मार्ग इनके लिए आरक्षित किए जाने के कारण इन मार्ग के वाहन दूसरे मार्ग पर भेजे जाने लगे। इससे आम लोगों को परेशानी होने लगी। तीन घंटे का रास्ता छह से सात घंटे में पूरा होने लगा। वाहनों को 60 से 70 किलो मीटर ज्यादा चलना पड़ा। वाहनों के ज्यादा चलने के तेल ज्यादा लगा। तेल का ज्यादा लगना राष्ट्रीय नुकसान है और व्यक्ति की समय की बरबादी। व्यवस्था ऐसी बनाई जाए कि कांवड़ यात्रा भी निर्विघ्न रूप से पूरी हो और दूसरे वाहन और यात्रियों को कोई परेशानी न हो। नियमित यातायात इस यात्रा के दौरान सुगमता से चलता रहे।

आज हालत यह है कि कई दिन से उत्तर प्रदेश दिल्ली एनसीआर और उत्तरांचल के मार्गों पर दिन में ट्रकों की आवाजाही बंद है। सड़कों के किनारे ट्रकों की लंबीलंबी लाइन लगी है। पूरे दिन वह सड़क किनारे खड़े रहते हैं। रात में उन्हें चलने की अनुमति मिलती है। इस प्रक्रिया से राष्ट्र की कितनी शक्ति व्यर्थ जाती है, इसका अनुमान लगाया जा सकता है।

शिवरात्रि भगवान शिव का पर्व है। यह पर्व पूरे भारत वर्ष में मनाया जाता है। करोड़ों की संख्या में शिव के उपासक पवित्र नदियों के स्थलों से उनका जल कांवड़ में लेकर आते और शिवालयों पर जाकर चढ़ाते हैं। ज्योतिर्लिंग पर तो शिवरात्रि पर जल चढ़ाने के साथ उत्तर भारत क्या पूरे देश में यह पर्व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। कांवड़ यात्रा कई –दिन चलती है। सड़कों पर कावड़ियों का रेला ही रेला दिखाई देता है। श्रद्धालु कावंड़ियों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा उपलब्ध कराकर पुण्य लाभ पाने के लिए तत्पर रहतें हैं। ये कांवड़ियों मार्ग पर उनके खाने–पीने की ठहरने आदि की निशुल्क व्यवस्था करते हैं। भंडारे लगाते हैं। यात्रा पर निकलने से पहले कावंड़िए तैयारी करते हैं। कांवड़, उसके सजाने आदि और अपनी यात्रा का सामान खरीदते हैं। अपने साथ चलने वाले वाहन किराए पर लेते हैं। इन पर किराए का म्युजिक सिस्टम लगाते हैं। कांवडिए की अलग तरह की भगवा रंग की टी शर्ट चल पड़ी। इसका ही अब लाखों रूपये का कारोबार बन गया। कांवड़ यात्रा से हजारों लोगों का रोजगार चलता है। इस यात्रा पर खरबों रूपये का बिजनेस होता है। इसलिए ये यात्रा होनी चाहिए। इस यात्रा की व्यवस्थाएं भी भव्य होनी चाहिए। कांवड़ियों की व्यापक सुरक्षा और बढ़िया मार्ग की व्यवस्था होनी चाहिए। जगहजगह आपातकाल में इनके उपचार के प्रबंध हों । इनकी सुविधा के लिए कोई कसर उठकर नही रखी जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस व्यवस्था पर स्वंय नजर रखते हैं। वे कांवड़ियों पर फूलों की वर्षा भी करते हैं।

उत्तर भारत में सावन की शिवरात्रि पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है। कांवड़ यात्रा के कारण उत्तर भारत में यातायात बुरी तरह प्रभावित होता है। हरिद्वार प्रशासन के अनुसार पिछले साल साढ़े चार करोड़ से ज्यादा शिवभक्त जल लेने हरिद्वार पंहुचे। 2023 में चार करोड़ श्रद्धालु आए थे। ये यात्रा अभी चल रही है, अनुमान है कि इस बार अकेले हरिद्वार से ही कांवड़ लाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पांच करोड़ से ज्यादा हो जाएगी, किंतु कुछ स्थानों पर पूरे सावन कांवड़ चढ़ती हैं। श्रद्धालु के समूह हरिद्वार आते और जल लेकर अपने गंत्व्यों की ओर रवाना होते रहते हैं।

उत्तर भारत की इस कांवड़ यात्रा को देखते हुए उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा सरकार व्यापक व्यवस्थाएं करती हैं, किंतु यात्रा के समय ये सब व्यवस्थांए बौनी पड़ जाती हैं। इसी कारण कई जगह कांवड़ियों के हंगामा करने की सूचनाएं आती हैं। कुछ जगह तोड़फोड़ और आगजनी तक हो जाती है। इस सबका कारण यात्रा से कुछ पहले तैयारी करना है, जबकि इसके लिए पूरे साल तैयारी की जाती चाहिए। इसके लिए अलग से विभाग होना चाहिए, किंतु ऐसा होता नहीं।

केंद्र और राज्य सरकारों को कावंड़ियों की सुविधा के साथ आम आदमी की सुविधा का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। व्यवस्था की जानी चाहिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान आम यातायात प्रभावित न हो। केंद्र एक्सप्रेस वे बना रहा है ताकि यातायात के किसी वाहन को परेशानी न हो। इसके लिए कांवड यात्रा वाले प्रदेश की सरकारों का केंद्र के साथ मिल बैठ कर प्लान करना चाहिए। कावंड यात्रा वाले मार्ग पहले ही इस तरह बनाए जांए कि उसकी साइड से आम यातायात सुगमता से अनवरत चलता रहे। कांवड यात्रा वाले मार्ग पर कांवड़ यात्रियों के लिए पहले से ही दो अलग लेन बनाकर रखी जा सकती हैं। यात्रा के समय में इन पर कांवड़िए और उनके वाहन चलें, बाद में ये लेन आम ट्रैफिक के लिए प्रयोग हों। कांवड़ यात्रा वाले मार्ग पर कांवड़ यात्रियों के आराम रूकने के स्थान पहले से चिंहित हों। स्थान ऐसे हों कि यहीं कांवड़ शिविर भी लग सकें।

1990 के आसपास कांवड़ यात्रा का इतना प्रचलन नहीं था। आज यह बढ़ता जा रहा है। अब साढे चार करोड़ के आसपास कांवड़िए हरिद्वार से कांवड़ ला रहे हैं। इनकी बढ़ती संख्या को देखते हुए हो सकता है कि आने वाले कुछ सालों में यह संख्या बढ़कर दुगनी या उससे भी ज्यादा हो जाए। इसलिए हमें अभी से इसके लिए व्यवस्था बनानी होगी। प्लानिंग करनी होगी। हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए हरिद्वार के लिए अतिरिक्त ट्रेन चलानी होंगी। कावंड़ यात्रा के समय आम यात्री को कांवडियों की भीड़ के कारण भारी परेशानी होती है। ट्रेन के साथ–साथ इनकी संख्या को देखते हुए स्पेशल बसे चलाईं जांए। कांवड़ यात्रा के कारण छात्रों की परेशानी को देखते हुए कई जगह स्कूल कॉलेज बंद करने पड़तें हैं। शहरों के स्थानीय निवासियों की गतिविधि और आवागमन प्रभावित होता है, व्यवस्था ऐसे बनाई जाए कि कांवड़ यात्रा भी चले और उस क्षेत्र के आम निवासी की गतिविधि और दिनचर्या भी प्रभावित न हों। इस पार उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल सरकार ने हुडदंग करने वाले कांवड़ियों के विरूद्ध कार्रवाई शुरू की है। ये व्यवस्था तो पहले से होनी चाहिए। भगवान शिव के भक्तों को तो बहुत सरल और सौम्य होना होगा।

दिल्ली-UP से लेकर राजस्थान तक नेटवर्क...

लड़कियों का करते थे अपहरण, फिर बना देते थे सरोगेट मदर, कैसे पकड़ा गया गिरोह का सरगना?

आर्यावर्त संवाददाता

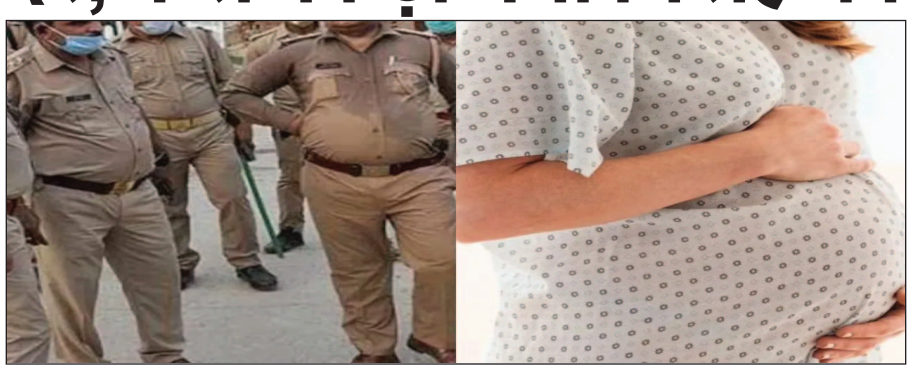

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के पिपराइच से अगवा की गई एक नाबालिग लड़की के मामले में पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी है। जांच में सामने आया है कि लड़की की शादी के लिए नहीं, बल्कि उसे जबरन मां बनाने यानी सरोगेट मदर के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए सौदा किया गया था। इस खुलासे ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

यह पूरा मामला एक संगठित गिरोह से जुड़ा हुआ है, जो देश के अलग-अलग हिस्सों से लड़कियों का अपहरण कर उन्हें निसंतान दंपतियों को सरोगेट मदर के रूप में बेच देता था। यह गैंग नाबालिग लड़कियों को पहले अगवा करता, फिर उन्हें बंद कमरे में रखकर मानसिक रूप से तैयार करता था। सौदा तय होते ही लड़कियों को राजस्थान जैसे राज्यों में भेज दिया जाता था।

मास्टरमाइंड मोहर्रम को पुलिस ने कैसे दबोचा?

इस गैंग का मास्टरमाइंड मोहर्रम उर्फ राल है, जो महराजगंज जिले के निचलौल थाना क्षेत्र के बुढाडीह गांव का रहने वाला है। पिपराइच पुलिस ने 12 जुलाई की रात तिकोनिया जंगल में मुठभेड़ के दौरान उसके पैर में गोली मारकर उसे गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से अगवा की गई लड़की को भी सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पूछताछ में नाबालिग लड़की ने कई चौंकाने वाले राज उजागर किए।

पीड़िता ने बताई आपबीती

लड़की ने बताया कि गैंग उसे मां बनने के लिए मानसिक रूप से तैयार कर रहा था। इस मामले में पुलिस को यह भी पता चला है कि सहजनवा की रहने वाली सरिता, दिल्ली के देवा गुर्जर और राजस्थान के सरवनपुरी के भाई ने मिलकर 15 मार्च को पिपराइच से नाबालिग लड़की की खरीद-फरोख्त की थी।

गोरखपुर से लेकर राजस्थान तक फैला नेटवर्क

फिलहाल पुलिस इन आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। अब तक पुलिस राजस्थान के अजमेर जिले के गांधीनगर क्षेत्र से बागचंद जापति, हरमाड़ा के सरवनपुरी, आगरा के सन्नी और उसकी पत्नी राधा को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह गोरखपुर, महराजगंज, दिल्ली, आगरा और राजस्थान तक फैला हुआ है। अब पुलिस अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

डाक कांवड़ की भागम-भाग, सात घंटे में 150 किमी . की दौड़, हर टीम पर दो लाख तक का खर्च

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। हरिद्वार से गंगाजल लेकर आने वाली डाक कांवड़ में शिवभक्तों की रफ्तार और जुनून कमाल का है। हर की पौड़ी से शहर में बाबा औघड़नाथ मंदिर तक करीब 150 किलोमीटर की दूरी शिवभक्त दौड़कर पूरा करेंगे। इसमें सात घंटे से लेकर साढ़े सात घंटे तक यात्रा पूरी होती है। डाक कांवड़ में 30 से 50 शिवभक्तों की टोलियां पूरे इंतजाम के साथ चल रही हैं। ऐसी कांवड़ पर 80 हजार से दो लाख रुपये तक का खर्च आया है।

केसरिया और नीली पोषाक में शिवभक्तों की टोलियां सड़कों पर दौड़ते हुए मंदिरों तक पहुंचेंगी। डाक कांवड़ की खासियत यह है कि समय अवधि को लक्ष्य मानकर हर की पौड़ी से जल उठाया जाता है। निश्चित समय अवधि में शिवालयों में जलाभिषेक किया जाता है। इस बार जिले से 155 डाक कांवड़ गई हैं। इसमें सरधना, दौराला, रोहटा, मवाना, खरखौदा क्षेत्र के विभिन्न गांव की टीमें हैं।

प्रत्येक डाक कांवड़ टीम में 15 से 50 शिवभक्त होते हैं। यह यात्रा दौड़ते हुए पूरी की जाती है। बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ कांवड़िया निरंतर दौड़ते हुए आगे बढ़ते हैं। डाक कांवड़ लाने में 80 हजार से दो लाख तक खर्च आता है। इसमें कैंटर, जेनरेटर, खाद्यान्न में जूस, ओआरएस, चार से आठ बाइकें मुख्य रूप से शामिल होती हैं। कुछ डाक कांवड़ियों ने इस बार अपनी गाड़ियों को राम मंदिर, अघोरी और तिरंगा रूप में सजाया है।दो अलग अलग युवक दौड़ते हैं जल लेकर

हर की पौड़ी से जल उठाने के बाद दो अलग-अलग युवक बोतल या पाइप जैसे पात्र में जल लेकर दौड़ते हैं। एक युवक के सहयोग में तीन बाइकें होती हैं। इनमें एक बाइक पर तीन से चार युवक पहले से बैठे होते हैं। एक युवक एक बार में 50 से 100 मीटर दौड़ता है। इस बीच बाइक पर बैठा दूसरा युवक बाइक से उतरकर उसके हाथ से बोतल लेकर दौड़ना शुरू कर देता है। दूसरी बाइक थके हुए युवक को कैंटर में पहुंचाती है।

कैंटर में आराम कर तैयार हुए युवक को बाइक पर दौड़ने वाले स्थान पर पहुंचाया जाता है। दोनों युवक जल देने और लेने के कार्य को दौड़ते हुए ही करते हैं। हरिद्वार से गांव के शिवालय तक यही क्रम चलता रहता है। शिवालय में जलाभिषेक कर यात्रा पूर्ण होती है। दो युवक अलग-अलग बोतल में जल लेकर इसलिए दौड़ते हैं, अगर एक जल गिरकर खंडित हो जाए तो दूसरी जल की केन सुरक्षित रहे।

बहू ने आटे में मिलाया जहर... पूरे परिवार के खात्मे का था प्लान, एक चूक से पकड़ी गई ; इस बात से खफा थी महिला

आर्यावर्त संवाददाता

कौशांबी। यूपी के कौशांबी जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। करारी क्षेत्र के मलकिया गांव में रविवार रात एक महिला अपने ही परिवार के जान की दुश्मन बन गई। आरोप है कि उसने आटे में जहर मिला दिया।

पति की शिकायत पर पुलिस ने महिला सहित उसके भाई व पिता के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। तीनों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। मलकिया (बजहा खुर्रमपुर) निवासी बृजेश कुमार मौर्य सऊदी अरब में हेल्पर है।

ढाई माह पूर्व वह घर आया था। बृजेश ने बताया कि रविवार शाम करीब सात बजे उसकी पत्नी मालती खाना बना रही थी। आरोप है कि आटा गूंथते समय बृजेश को जहरीले पदार्थ की दुर्गंध आई। उसने देखा कि आटे का रंग थोड़ा काला है। सूंघने पर पूरा माजरा समझ में आ गया।

बृजेश कुमार के अनुसार, मालती से पूछा तो उसने कहा कि वह परिवार से तंग आ गई है। सभी को जहरीला खाना खिलाकर मारना चाहती है। यह सलाह उसके पिता कल्लू प्रसाद व भाई बजरंगी निवासी मनौरी ने फोन पर दी है।

पिता कल्लू व भाई बजरंगी भी हिरासत में

बृजेश ने फौरन डॉयल-112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तहरीर लेकर मालती सहित उसके मायके में छापा मारकर पिता कल्लू व भाई बजरंगी को हिरासत में लिया।

गूंथे हुए आटे के सैंपल को जांच के लिए भेजे जाएंगे

इंस्पेक्टर विनीत सिंह ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सोमवार को न्यायालय में पेश कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। इसके अलावा गूंथे हुए आटे के सैंपल को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

मोबाइल पर बातचीत को लेकर पति से होता था झगड़ा

बृजेश कुमार मौर्य ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2014 में प्रयागराज जिले के पूरामुफ्ती कोतवाली के मनौरी बाजार में मालती देवी के साथ हुई थी। उसके दो बच्चे हैं। वह सऊदी अरब में ही रहता था। जबकि, पत्नी व बच्चे संयुक्त परिवार के साथ रहते हैं। बृजेश का आरोप है कि उसकी गैर मौजूदगी में मालती देवी फोन पर घंटों किसी से बात करती थी। मना करने पर वह झगड़ा करती थी। सऊदी अरब से वह घर लौटा तो कई बार देख कि पत्नी मोबाइल पर किसी से बात कर रही है। समझाने पर वह झगड़ा करती थी। इसके बाद अन्जान नंबर से कई बार बृजेश को धमकी भरा फोन भी आया। बृजेश ने यह भी बताया कि खेत जाते समय वह सलवार सूट पहनती थी। परिजन मना करते तो इसे लेकर भी वह झगड़ा करती थी।

बृजेश के सूझबूझ से बच गई 10 लोगों की जान

मालती के इस दुस्साहसिक कदम की जानकारी जब ग्रामीणों को हुई तो वह हतप्रभ रह गए। बृजेश ने बताया कि उसका संयुक्त परिवार है। उसके दो बच्चे, पिता राम धीरज, भाई राजेश कुमार, सुनील कुमार उनकी पत्नियां मंजू देवी, अंजू देवी व बच्चे उन्नति, वैशाली साथ रहते हैं। भगवान का शुक्र है कि उसने समय रहते देख लिया। अन्यथा मालती के गूंथे आटे से 10 लोग खाना खाकर मौत की नींद सो जाते।

धर्म परिवर्तन करने वाले आरोपी को जेल

मीरजापुर। धर्मपरिवर्तन कराने वाले एक अभियुक्त को विंध्याचल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना विन्ध्याचल में गत 22 जून 2025 को वादी विनय प्रताप सिंह पुत्र लल्लन सिंह निवासी भतड़ा थाना जिगना जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध बहला-फुसला कर धर्म परिवर्तन करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल मु0अ0सं0-208/2025 धारा 3/5(1) उ.प्र.विधि विरूद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधि. 2021 पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष विन्ध्याचल को अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना विन्ध्याचल पर पंजीकृत मुकदमें में विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में पूर्व में 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

सीएमओ कानपुर के बाद झांसी में विवाद! एक पद और दो दावेदार... टेबल पर लगीं 2 कुर्सियां, कर्मचारी परेशान

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में दो मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (CMO) का विवाद अभी शांत ही हुआ था कि अब झांसी में भी कानपुर जैसा मामला सामने आया है। यहां भी एक कुर्सी के दो दावेदार हैं और दोनों अपनी तैनाती को लेकर ताल ठोकते हुए नजर आ रहे हैं। इससे कर्मचारी भी परेशान हैं कि आखिर किस अधिकारी का आदेश माना जाए और किसका नहीं माना जाए।

ये मामला झांसी के मऊरानीपुर तहसील क्षेत्र के राजकीय पशु चिकित्सालय का है, जहां दो उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कुर्सी के लिए अपनी अपनी दावेदारी करते हुए नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं एक टेबल पर दोनों अधिकारियों की कुर्सी भी एक साथ देखी जा सकती है। शासन की ओर से तैनात उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रमेश चंद्र शाक्य ने बताया गया कि उनकी तैनाती शासन की ओर से की गई है और उन्हें शासन ने उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात किया है।

कुर्सी छोड़ने के लिए तैयार नहीं

वहीं पूर्व में तैनात डॉक्टर विनोद कुमार की नियुक्ति 28 दिसंबर 2023 को मऊरानीपुर के पशु चिकित्सालय में बतौर उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के रूप में हुई थी। लेकिन 24 अप्रैल 2025 को उनका ट्रांसफर उनके अनुरोध करने के बाद बलिया कर दिया गया था। हालांकि डॉक्टर रमेश चंद्र शाक्य की नियुक्ति हुई तो वह खुद को कुर्सी का दावेदार बताने लगे। रमेश चंद्र शाक्य ने कहा कि वह अब भी कुर्सी छोड़ने के लिए तैयार नहीं है।

अधिकारियों से कर्मचारी परेशान

डॉक्टर रमेश चंद्र ने बताया कि डॉक्टर विनोद कुमार कुर्सी पर अपनी दावेदारी दिखाते हुए कोर्ट तक पहुंच गए। अब दोनों समकक्ष अधिकारी कुर्सी के लिए अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। ऐसे में झांसी में अब एक पद के दो दावेदारों का ये मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। दोनों की दावेदारी पेश करने की वजह विभागीय कार्य प्रभावित हो रहा है। कर्मचारी परेशान हो गए हैं कि वह किस अधिकारी के आदेश का पालन करें। दोनों ही अधिकारी रोज कार्यालय पहुंच रहे हैं। हाल ही में कानपुर से इस तरह का विवाद सामने आया था, जब कानपुर के सीएमओ को लेकर बहस छिड़ी हुई थी। हालांकि आखिर में पूर्व सीएमओ डॉक्टर हरिदत्त नेमी को ही कानपुर के सीएमओ का पदभार संभालने के लिए मिला। अब इसी तरह झांसी में विवाद खड़ा हो गया है।

फांसी पर लटका मिला विवाहिता का शव

जौनपुर। सिकरारा थाना क्षेत्र के बढ़ौना नोनियान बस्ती में एक विवाहिता प्रियंका चौहान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताते है कि मंगलवार सुबह करीब 9 बजे उनका शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के समय प्रियंका के पति शशिकांत चौहान पिछले एक सप्ताह से ससुराल में मजदूरी कर रहे थे। प्रियंका अपने दो छोटे बच्चों के साथ घर पर थी। सुबह 8:30 बजे उन्होंने अपनी जेठानी की बेटी आंचल को सब्जी बनाने के लिए दी और खुद करकट निर्मित कमरे में चली गईं। जब आंचल सब्जी बनाने का तरीका पूछने कमरे में गई, तो उसने प्रियंका को फांसी पर लटका देखा। आंचल की चीख सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही रिश्तेदारी में गए परिवार के सदस्य और उसके मायके से लोग आये।

कलमा और नमाज न पढ़ने पर पीटा... बेटी का भी बदलवा दिया धर्म, ससुराल में हुई थी छांगुर से मुलाकात, पीड़ित ने सुनाई आपबीती

आर्यावर्त संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही के चौरी थाना क्षेत्र के रहने वाले ज्योतिर्मय ने अपने ससुराल वालों पर आरोप लगाया है कि वह जबरदस्ती उन पर इस्लाम धर्म कबूल करने का दबाव बना रहे हैं। दरअसल, साल 2016 में सोशल मीडिया के जरिए उनकी मुलाकात एक युवती से हुई थी। युवती ने उन्हें अपना नाम इशिता बताया और कहा वह कि लखनऊ के मड़ियांव की रहने वाली है। इसके बाद साल 2017 में दोनों ने आपसी सहमति से आर्य समाज मंदिर में हिन्दू रीति रिवाज से शादी कर ली। शादी के बाद एक दिन ज्योतिर्मय ने पत्नी का आधार कार्ड देखा तो पता चला कि युवती इशिता नहीं बल्कि आफरीन जहां है।

ज्योतिर्मय ने बताया कि उन्हें शादी से पहले पत्नी के धर्म के बारे में जानकारी नहीं थी। लेकिन जब शादी हो गई थी और परिवार चल रहा था। फिर बड़ी बिटिया का जन्म हुआ। बच्ची के जन्म के बाद ससुराल वालों का भदोही आना जाना शुरू हो गया। ज्योतिर्मय ने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने पत्नी के कान भरने शुरू कर दिए और पत्नी से कहा वह मुझे इस्लाम में कन्वर्ट कराएं। पत्नी भी धीरे धीरे उनके प्रभाव में आने लगी और किसी न किसी बहाने से मुझे इस्लाम की खूबियां बताने लगती और कहती कि इस्लाम सबसे ख़ूबसूरत धर्म है। इस्लाम कबूल कर लो।

'या तो मुसलमान बन जाओ या फिर...'

ज्योतिर्मय ने कहा, "भदोही में अपने घर पर जब भी मैं पूजा करता, हनुमान चालीसा पढ़ता या घंटी बजाता तो ससुराल के लोग अपने कान बंद कर लेते थे। जब मैंने उन लोगों की बात नहीं मानी तो ससुराल पक्ष के लोग मेरी पत्नी और बेटी को मड़ियांव लेकर चले गए। ससुराल वालों ने मुझ पर इस्लाम में कन्वर्ट करने का दबाव बनाया और कहा कि या तो मुसलमान बन जाओ या आफरीन जहां को तालाक दे दो। आफरीन की बहन शीबा ने ये बात कही। फिर मैं लखनऊ गया तो वहां मेरी बेटी की गर्दन पर चाकू रखकर मुझसे कलमा पढ़ाया। साथ ही नमाज भी पढ़वाई और मस्जिद ले गए। इसके बाद में उन्होंने मुझसे रोजा भी रखवाया।

छांगुर ने ब्रेन वॉश करने की कोशिश की

यही नहीं ज्योतिर्मय ने ये भी आरोप लगाया कि उनके साथ लखनऊ में धार्मिक परंपराओं को न निभाने पर उनके साथ मारपीट भी की जाती थी। धार्मिक परंपराओं से जुड़ी व्यवस्था को स्वीकार करने के लिए बेटी को लेकर धमकी दी जाती थी और लालच दिया जाता था। इसके अलावा ज्योतिर्मय ने ये भी कहा कि जनवरी में छांगुर बाबा ने उसका ब्रेन वॉश करने की कोशिश की और कहा कि इस्लाम स्वीकार कर लो जन्नत मिल जाएगी।

छांगुर ने इस्लाम कबूल करने के लिए कहा

आफरीन की बहन शीबा ने इसी साल जनवरी के महीने में मुझे छांगुर बाबा से मिलवाया था। पूरा परिवार बाबा के प्रभाव में था। ससुराल वालों ने मड़ियांव वाले अपने घर में ही छांगुर बाबा से मुलाकात कराई थी। दस मिनट की मुलाकात में छांगुर बाबा ने मुझसे कहा कि इस्लाम स्वीकार कर लो। तुम्हारे लिए जन्नत के दरवाजे खुल जाएंगे। उन्होंने कई उदाहरण दिए कि जो लोग कन्वर्ट हुए हैं वो आज कितने खुशहाल हैं।

इस्लाम कबूल करो या परिवार को भूल जाओ

इस मुलाक़ात के बाद से ससुराल वाले खुलकर बोल रहे हैं कि या तो इस्लाम कबूल कर लो या फिर अपने परिवार को भूल जाओ। पिछले साल मार्च में मेरी दूसरी बेटी का जन्म हुआ। मैंने अपनी दोनों बेटियों को वापस पाने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में रिट दाखिल किया है और वाराणसी एडीजी से मिलकर ससुराल पक्ष के लोगों पर कानूनी कार्रवाई करने के लिए आवेदन दिया है मुझे उम्मीद है कि मुझे न्याय मिलेगा।

'छात्रा की अटेंडेंस कम थी...' यूनिवर्सिटी के दावे पर क्या बोला भाई? बताई बहन की डिप्रेशन की वजह

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी की सेकंड इयर की छात्रा ज्योति झांगरा के सुसाइड केस में आरोपी दो प्रोफेसरों को सस्पेंड कर दिया गया है। छात्रा के परिजन ने दो प्रोफेसरों पर बेटी को मेंटल टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि यूनिवर्सिटी प्रबंधन को पूरे मामले की जानकारी थी, लेकन वे चुप्पी साधे रहे। अब पूरे मामले पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि छात्रा की यूनिवर्सिटी में अटेंडेंस कम थी।

18 जुलाई को छात्रा ज्योति ने सुसाइड कर लिया था। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, डेंटल मैटेरियल कोर्स में ज्योति ने कुल 65 थ्योरी कक्षाओं में से मात्र 5 में और 62 प्रैक्टिकल में से 15 में हिस्सा लिया। वहीं प्रीक्लिनिकल प्रोस्थोडॉन्टिक्स (पीसीपी) विषय में उसकी उपस्थिति थ्योरी में 17/53 और प्रैक्टिकल में 31/83 रही। माइक्रोबायोलॉजी में भी उसकी उपस्थिति काफी कम दर्ज की गई।

दो प्रोफेसरों पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप

छात्रा के कथित सुसाइड नोट में दो प्रोफेसरों पर मानसिक उत्पीड़न का जिक्र था। नोट में उसने लिखा कि वह उन्हें जेल में देखना चाहती है। छात्रा के परिजनों और दोस्तों के मुताबिक, यही वे प्रोफेसर थे, जिन्होंने उसकी प्रोजेक्ट फाइलों में हस्ताक्षर की वैधता पर सवाल उठाए थे और उसे जालसाजी का आरोप लगाकर प्रताड़ित किया था।

'प्रोजेक्ट में सिग्नेचर संदेहास्पद था'

यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता का कहना है कि प्रोफेसरों का मकसद छात्रा की मदद करना और बेहतर करने के लिए मोटिवेट करना था। हमलोग हमेशा एक-एक छात्रों से बात करते रहते हैं, ये जानने के लिए कोई दिक्कत तो नहीं है। इसका मकसद छात्रों पर दबाव डालना नहीं होता है। कई छात्रों ने अपना प्रोजेक्ट सबमीट किया था। इनमें से ज्योति के सबमीट प्रोजेक्ट में सिग्नेचर संदेहास्पद था, इसी को लेकर प्रोफेसर ने उससे सवाल किया था।

क्या बोला ज्योति का भाई?

वहीं, ज्योति के भाई अक्षय ने बताया है कि उसकी बहन को गेहूं से एलर्जी थी। उसे त्वचा संबंधी बीमारी थी। इसके चलते वह हर वीकेंड गुड़गांव स्थित अपने घर लौट जाती थी और सोमवार को वापस आती थी। इसी वजह से उसकी अटेंडेंस प्रभावित हुई होगी। परिवार का आरोप है कि ज्योति के हेल्थ कंडीशन की जानकारी यूनिवर्सिटी प्रशासन को थी, लेकिन उन्होंने उसकी कोई मदद नहीं की, जिसका नतीजा वह डिप्रेशन में चली गई। फिलहाल, दोनों प्रोफेसरों को निलंबित कर दिया गया है और मामले की जांच यूनिवर्सिटी की इंटरनल कमेटी (ICC) द्वारा की जा रही है। छात्रा ने सुसाइड नोट में दो प्रोफेसर्स, महिंदर सिंह चौहान और शैरी वशिष्ठ पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया।

तेल भराने के बहाने उचक्का बैग लेकर भागा

जौनपुर। घर जाने के लिए नगर के पॉलिटेक्निक चौराहे पर बस का इंतजार कर रहे लघु सिंचाई विभाग के अवर अभियंता को उचक्के ने बाइक पर बैठा लिया। मड़ियाहूं में बाइक में तेल लेने के बहाने उन्हें वाहन से उतारा और उनका बैग लेकर भाग गया। पीड़ित बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि वह चुनार थाना क्षेत्र के शिवराजपुर निवासी हैं। वे मडियाहूं विकासखंड में अवर अभियंता लघु सिंचाई के पद पर कार्यरत थे। इनका स्थानांतरण प्रयागराज हो गया है। वे पॉलिटेक्निक चौराहे से मिर्जापुर जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक बाइक सवार वहां पहुंचा और औराई का रास्ता पूछा। बृजेश कुमार सिंह ने उसे रास्ता बताया। उसने पूछा कि अंकल आपको कहां जाना है, तो उन्होंने बताया कि हमको मिर्जापुर जाना है। उसने औराई तक बाइक से चलने की बात कही। उसके झांसे में आकर बृजेश कुमार सिंह उसकी बाइक पर बैठ गए।

'डील फाइनल करनी है, 2 करोड़ भेजो...', JK ग्रुप का MD बन किया मैसेज, कंपनी को लगा दिया चूना

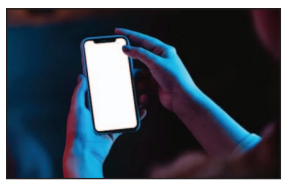

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। साइबर ठग लोगों को ठगने के लिए नए नए रास्ते निकालते हैं और कई बार इसमें पढ़े लिखे लोग भी फंस जाते है. ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के कानपुर से सामने आया है, जहां साइबर ठग ने देश के जाने-माने जे.के.ग्रुप की कंपनी का एमडी बनकर कंपनी से ही दो करोड़ रुपए उड़ा दिए। इस मामले की जानकारी पुलिस को दी गई तो शिकायत मिलने पर पुलिस ने कुछ पैसे फ्रीज करा दिए हैं।

उत्तर प्रदेश के कानपुर का JK ग्रुप देश-विदेश तक एक जाना माना ग्रुप है। 20 जुलाई को JK ग्रुप की सहायक कंपनी यदुपति ट्रेड बिज़ प्राइवेट लिमिटेड के एक कर्मचारी को व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले नंबर पर राघव सिंघानिया का फोटो लगा था। ऐसे में कर्मचारी ने विश्वास कर लिया। ठग ने खुद को कंपनी का एमडी बताया और एक बड़े प्रोजेक्ट की डील फाइनल करने के लिए 1.97 करोड़ रुपये तुरंत ट्रांसफर करने के लिए कहा। ऐसे में कर्मचारी को लगा कि सीधे कंपनी के एमडी ऑर्डर दे रहे हैं तो बिना देर किए कर्मचारी ने पैसे ट्रांसफर कर दिए।

1.28 करोड़ रुपये फ्रीज कर दिए गए

कुछ समय बाद कर्मचारी जब रियल एमडी से मिला तो उसे ठगी का पता चला। एमडी ने कर्मचारी को बताया कि उन्होंने तो कोई मैसेज किया ही नहीं था। कर्मचारी ने तुरंत साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। साइबर सेल में शिकायत मिलते ही तुरंत कार्रवाई की गई और अलग-अलग बैंक अकाउंट में ट्रांसफर हुए 1.28 करोड़ रुपये को फ्रीज कर दिया गया। इस मामले में FIR दर्ज कर ली गई और आरोपियों की तलाश जा रही है।

साइबर सेल ने जनता से अपील की

पुलिस ने बताया कि साइबर ठग अक्सर जानी-मानी हस्तियों के नाम और फोटो का इस्तेमाल कर लोगों को ठगने की कोशिश करते हैं। पुलिस ने इस तरह के अपराधों से बचने के लिए लोगों को सतर्क रहने और किसी भी अनजान नंबर की पहले जांच करने की सलाह दी। साइबर सेल ने जनता से अपील की है कि किसी भी वित्तीय लेनदेन से पहले उस शख्स या कंपनी से बात करके कंफर्म करें। इसके बाद ही पेमेंट करें। पुलिस का कहना है कि इस मामले में आधे से ज्यादा पैसे फ्रीज कर दिए गए हैं। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सुबह खाली पेट भूलकर भी न खाएं ये चार चीजें, एसिडिटी और गैस का बढ़ जाता है खतरा

अक्सर कुछ लोग सुबह नाश्ते में ऐसी चीजें खा लेते हैं, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनके सेहत पर पड़ता है। आइए इस लेख में ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जानते हैं, जिन्हें सुबह खाली पेट भूलकर भी नहीं खाना चाहिए।

सुबह का नाश्ता सिर्फ एक मील नहीं, बल्कि हमारे पूरे दिन की ऊर्जा और सेहत का आधार होता है। हम दिन की शुरुआत कैसे करते हैं, क्या खाते हैं, इसका सीधा असर हमारी ऊर्जा, मूड और पाचन पर पड़ता है। हममें से कई लोग, जानें-अनजाने में या जल्दबाजी में, सुबह खाली पेट कुछ ऐसी चीजें खा लेते हैं जो फायदे की बजाय ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं।

ये चीजें आपके पेट में एसिडिटी, गैस, अपच और असहज जलन जैसी समस्याओं को जन्म दे सकती हैं, जिससे आपका पूरा दिन खराब हो सकता है। अगर आप भी सुबह उठते ही बिना सोचे-समझे कुछ भी खा लेते हैं और बाद में पेट की समस्याओं से जूझते हैं। तो आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि सुबह किन चीजों को डाइट में शामिल करना संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

खट्टे फल और उनका जूस

सुबह खाली पेट खट्टे फल जैसे संतरा, नींबू या इनका जूस पीना कुछ लोगों के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है। इन फलों में साइट्रिक एसिड भरपूर मात्रा में होता है। जब आप इन्हें खाली पेट खाते हैं, तो यह सीधे पेट की परत को प्रभावित कर सकता है।

इससे पेट में एसिड का उत्पादन तेजी से बढ़ जाता है, जिससे एसिडिटी, सीने में जलन और पेट में दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। संवेदनशील पेट वाले व्यक्तियों के लिए यह स्थिति और भी खराब हो सकती है। इन फलों का सेवन नाश्ते के बाद या किसी हल्की चीज के साथ करना बेहतर होता है।

कच्ची सब्जियां और सलाद

पौष्टिक होने के बावजूद, कच्ची सब्जियां और सलाद को सुबह खाली पेट खाने से बचना चाहिए। इसमें भरपूर मात्रा में खुरदुरा फाइबर होता है। हालांकि फाइबर पाचन के लिए अच्छा होता है, लेकिन खाली पेट इसका सेवन करने से इसे पचाना मुश्किल हो सकता है।

इसे खाने से पेट में भारीपन महसूस होता है, जिससे पेट फूलना, गैस, और पेट में ऐंठन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। कच्ची सब्जियां पेट की संवेदनशील परत में जलन भी पैदा कर सकती हैं। सुबह के नाश्ते में उबली हुई या हल्की पकी हुई सब्जियां या स्प्राउट्स शामिल करना एक बेहतर विकल्प है।

मसालेदार और तैलीय भोजन

सुबह खाली पेट मसालेदार और तैलीय भोजन खाना पेट के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकता है। मिर्च, काली मिर्च, और अन्य मसाले पेट की परत को सीधा प्रभावित करते हैं और अत्यधिक एसिड उत्पादन को बढ़ावा देते हैं, जिससे एसिडिटी और जलन हो सकती है।

कैसे होती है एसिडिटी?

एसिडिटी पेट से जुड़ी समस्या है, जिसमें पेट के अंदर एसिडिक फूड आइटम्स ज्यादा होने से पेट का पीएच बैलेंस खराब हो जाता है जिसके बाद सीने में जलन, खट्टी डकार और खाना ऊपर आने की भावना होती है। कुछ लोगों को एसिडिटी की परेशानी रोजाना होती है, ऐसे में उन्हें अपनी डाइट और क्या खा रहे हैं, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

वहीं, समोसे, कचौरी या परांठे जैसे तैलीय और तले हुए खाद्य पदार्थ पचाने में बहुत भारी होते हैं। खाली पेट इन्हें खाने से अपच, पेट में भारीपन और एसिड रिफ्लक्स की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए ऐसे भोजन को सुबह खाली पेट खाने से परहेज करना चाहिए।

यीस्ट युक्त बेकरी उत्पाद

पेस्ट्री, केक, डोनट्स या सामान्य पाव रोटी जैसे यीस्ट युक्त बेकरी उत्पाद सुबह खाली पेट खाने से गैस और पेट फूलने की समस्या हो सकती है। यीस्ट पेट में फर्मेंटेशन की प्रक्रिया शुरू करता है, जिससे गैस बनती है। इसके अलावा, ये उत्पाद अक्सर रिफाइंड आटे (मैदा) से बने होते हैं, जिसे पचाना मुश्किल होता है और यह पाचन तंत्र पर अतिरिक्त भार डालता है। इससे पेट में असहजता और भारीपन महसूस हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

इसके अलावा सुबह बहुत ज्यादा मीठी चीजों का सेवन करने से भी बचना चाहिए।

वहीं सुबह उठने के बाद हल्की एक्सरसाइज करने के बाद ही नाश्ता करने की कोशिश करें। इसके साथ ही अपने कैलोरी इनटेक का भी ध्यान रखें।

ठंडी चीजों का सेवन

पूरी रात सोने के बाद कई लोग सुबह उठते ही ठंडा पानी पीते हैं, आपकी ये आदत पेट में मरोड़ पैदा कर सकता है। इसी के साथ ठंडा पानी पीने की वजह से लूज मोशन, डाइजेशन, स्लो प्रोसेस धीमा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए सुबह उठने के बाद हल्का गुनगुना पानी पीने की सलाह दी जाती है।

घर पर बनाएं ये चमत्कारी टोनर और पाएं ग्लोइंग स्किन, 1 हफ्ते में दिखेगा फर्क!

चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए महिलाओं के साथ-साथ पुरुष भी खूब महंगे-महंगे स्किन केयर ट्रीटमेंट कराते हैं। डॉक्टर्स के द्वारा सुझाए गए स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, पर कई बार इनका या तो लाभ नहीं मिल पाता, नहीं तो ये तभी तक असर दिखाते हैं जब तक इन्हें इस्तेमाल किया जाए। इस्तेमाल रोकने के बाद स्किन डल होने लगती है।

ऐसे में हम आपको घर पर ही फेस टोनर बनाने की आसान विधि बताएंगे, ताकि आपका चेहरा बारिश के इस मौसम में हाइड्रेट रहे। इसे बनाना काफी आसान है और आज के समय में अच्छा टोनर हर चेहरे की सबसे बड़ी जरूरत है।

टोनर बनाने का सामान

घर पर ही टोनर बनाने के लिए आपको मुख्य रूप से गुलाब जल – 2 बड़े चम्मच, एलोवेरा जेल – 1 बड़ा चम्मच, खीरे का रस– 2 बड़े चम्मच, ठंडी ग्रीन टी की जरूरत पड़ेगी।

टोनर बनाने की विधि

घर पर टोनर बनाना काफी आसान है। इसके लिए एक कटोरी में सभी सामग्री यानी कि गुलाब जल, एलोवेरा जेल, खीरे का रस, ग्रीन टी अच्छे से मिलाएं। इसके बाद सभी चीजों को एक साथ पैक करके एक स्प्रे वाली बोतल में रख दें।

अब ये टोनर तैयार है और इसे आप फ्रिज में रख सकते हैं। यदि आप इसे फ्रिज में रखेंगे तो ये आपकी स्किन के लिए ज्यादा फायदेमंद रहता है। घर पर बना टोनर एक हफ्ते ही चलता है, इस बात का खास ध्यान रखें।

इस्तेमाल का तरीका है आसान

टोनर का इस्तेमाल करना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो चेहरे को धोने के बाद टोनर को कॉटन पैड या सीधे स्प्रे करके चेहरे पर लगाएं। अब 2 से 3 मिनट चेहरे को ऐसे ही रहने दें, ताकि ये स्किन में ऑब्जर्ब हो जाए। यदि स्प्रे वाली बोतल में टोनर रखा है तो चेहरे पर टोनर को स्प्रे करके ऐसे ही रहने दें।

कब-कब करें इस्तेमाल ?

टोनर का लाभ तभी मिलता है, जब आप अपने चेहरे पर नियमित रूप से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए दिन में सुबह और शाम याद से अपना चेहरा धोएं और फिर टोनर का इस्तेमाल करें।

मिलेंगे ये फायदे

त्वचा को हाइड्रेट करता है
ओपन पोर्स को टाइट करता है
स्किन का पीएच बैलेंस करता है
त्वचा में नेचुरल ग्लो लाता है

फ्रेंडशिप डे पर दोस्त को खुश करने के ये 5 तरीके होंगे दिल जीतने वाले

इस खास दिन को अपने दोस्त के लिए खास बना देना चाहते हैं तो कुछ विकल्प दिए जा रहे है। ये विकल्प खर्चेलू नहीं हैं, बल्कि दिल छू लेने वाले हैं।

दोस्ती का खूबसूरत रिश्ता आपके जीवन में खुशियां और मौज-मस्ती लेकर आता है। जीवन की थकान, परेशानियों और संघर्ष को कम करने में दोस्त एक ऐसी औषधि के जैसा है जो तुरंत राहत देता है। आपके चेहरे पर मुस्कान लानी हो या आपकी परेशानियों को हल निकालना हो, दोस्त हर मौके पर आपके साथ होता है। इसी दोस्त और उससे आपके मजबूत रिश्ते को सेलिब्रेट करने के लिए हर साल दोस्ती दिवस मनाया जाता है। दोस्ती दिवस अगस्त महीने के पहले रविवार को मनाया जाता है। इस साल फ्रेंडशिप डे 3 अगस्त 2025 को मनाया जा रहा है।

इस खास दिन को अपने दोस्त के लिए खास बना देना चाहते हैं तो कुछ विकल्प दिए जा रहे है। ये विकल्प खर्चेलू नहीं हैं, बल्कि दिल छू लेने वाले हैं। आइए जानते हैं कि इस साल दोस्त के साथ फ्रेंडशिप डे कैसे सेलिब्रेट करें ताकि आप दोनों का दिन यादगार बन जाए, साथ ही इस दिन आप सब भुलाकर मस्ती कर पाएं।

फ्रेंडशिप बैंड है जरूरी

दोस्ती दिवस मनाने की पुरानी परंपरा आज भी जिंदा है। दोस्त की कलाई पर रंग-बिरंगी फ्रेंडशिप बैंड बांधकर रिश्ते को खास बना सकते हैं। इस दिन को सेलिब्रेट करने के लिए अपने दोस्त की कलाई पर मित्रता का प्रतीक फ्रेंडशिप बैंड बांधें।

फोटोज और रील शेयर करें

दोस्ती की यादों को सोशल मीडिया पर रील्स और पोस्ट के जरिए शेयर करें। अपने दोस्त संग पुरानी तस्वीरें, दोस्ती वाले कोट्स और गाने लगाकर रील और स्टेट्स दोस्त के नाम डेडिकेट कर सकते हैं।

खत या वॉयस नोट

आज के डिजिटल दौर में दोस्त के लिए कुछ निजी करने से रिश्ता और मजबूत बनता है। दोस्त के लिए अपने हाथों से लेटर लिख सकते हैं या फिर दिल छू लेने वाला वॉयस नोट रिकॉर्ड करके दोस्त को भेज सकते हैं।

मूवी नाइट या वीडियो कॉल

अगर दोस्त दूर है तो नेटफ्लिक्स पार्टी या वीडियो कॉल से जुड़े और साथ वक्त बिताएं। मिल सकते हैं तो दोस्त के साथ मूवी या डिनर के लिए जाएं। अपने पुराने स्पॉट पर मिलें, मस्ती करें और यादों को ताजा करें

कस्टमाइज्ड गिफ्ट या DIY सरप्राइज तैयार करें

छोटे-छोटे प्रयास दोस्त और दोस्ती के इस दिन को खास बना सकते हैं। आप दोस्त के लिए खुद से गिफ्ट तैयार कर सकते हैं। कस्टमाइज्ड गिफ्ट भी आपके दोस्त के दिल को छू लेगा। इसके लिए दोस्त के लिए scrap book, कार्ड या पर्सनलाइज्ड गिफ्ट तैयार करें।

'टीडीएस रिफंड के लिए ITR दाखिल करने की समयसीमा न हो', संसदीय समिति ने दिया सुझाव

व्यक्तिगत करदाताओं को बिना किसी जुर्माने के नियत तिथि के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करके स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) रिफंड का दावा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। नए आयकर विधेयक की समीक्षा करने वाली एक संसदीय समिति ने सोमवार को सुझाव दिया। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

व्यक्तिगत करदाताओं को बिना किसी जुर्माने के नियत तिथि के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करके स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) रिफंड का दावा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। नए आयकर विधेयक की समीक्षा करने वाली एक संसदीय समिति ने सोमवार को सुझाव दिया। संसदीय समिति ने यह सुझाव भी दिया कि धार्मिक और परमार्थ न्यासों को दिए गए गुमनाम या गुप्त दान को टैक्स की देनदारी से मुक्त रखा जाना चाहिए।

आयकर विधेयक-2025 की समीक्षा के लिए भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में लोकसभा की प्रवर समिति का गठन किया गया था। पांडा ने सोमवार को लोकसभा में समिति की 4,575 पन्नों की रिपोर्ट पेश की। समिति ने आयकर विधेयक, 2025 में बदलावों की सिफारिश की है। यह विधेयक छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा। 31 सदस्यों वाली संसदीय समिति ने अपने सुझाव में कहा है कि गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ), विशेष रूप से धर्मार्थ और परमार्थ उद्देश्यों वाले संगठनों के लिए गुमनाम दान पर कर लगाने के संबंध में अस्पष्टता को दूर किया जाना चाहिए।

एनपीओ की प्राप्तियों पर कर लगाने का विरोध

समिति ने गैर-लाभकारी संस्थाओं (एनपीओ) की 'प्राप्तियों' पर कर लगाने का विरोध किया, क्योंकि यह आयकर अधिनियम के तहत वास्तविक आय कराधान के सिद्धांत का उल्लंघन है। सुझावों में 'आय' शब्द को फिर से लागू करने की सिफारिश की गई है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि केवल एनपीओ की शुद्ध आय पर ही कर लगाया जाए। पंजीकृत एनपीओ को मिलने वाले 'गुमनाम दान के संबंध में महत्वपूर्ण अंतर' है, इसे देखते हुए समिति ने सुझाव दिया कि धार्मिक और परमार्थ न्यास (ट्रस्ट), दोनों को ऐसे दान पर छूट दी जानी चाहिए।

धार्मिक व परमार्थ ट्रस्ट के संबंध में एक महत्वपूर्ण चूक हुईः समिति

समिति ने कहा, ''विधेयक का घोषित मकसद इसे सरल बनाना है, लेकिन समिति को लगता है कि धार्मिक व परमार्थ ट्रस्ट के संबंध में एक महत्वपूर्ण चूक हुई है, जिसका भारत के एनपीओ क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर काफी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।'' आयकर विधेयक, 2025 के खंड 337 में सभी पंजीकृत एनपीओ को मिलने वाले गुप्त दान पर 30 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसमें केवल धार्मिक उद्देश्यों के लिए स्थापित एनपीओ को ही सीमित छूट दी गई है।

यह आयकर अधिनियम, 1961 की वर्तमान धारा 115बीबीसी से बिल्कुल अलग है। मौजूदा कानून में अधिक व्यापक छूट प्रदान की गई है। इसके मुताबिक, अगर कोई ट्रस्ट या संस्था पूरी तरह से धार्मिक और परमार्थ कार्यों के लिए बनाई गई हो, तो गुप्त दान पर कर नहीं लगाया जाता है। ऐसे संगठन आमतौर पर पारंपरिक माध्यमों (जैसे दान पेटियों) से योगदान प्राप्त करते हैं, जहां दान देने वाले की पहचान करना असंभव है।

संसदीय समिति की रिपोर्ट में कहा गया है, ''समिति 1961 के अधिनियम की धारा 115बीबीसी में दिए गए स्पष्टीकरण के अनुरूप एक प्रावधान को फिर से लागू करने का पुरजोर आग्रह करती है।'' जिन व्यक्तियों को आमतौर पर कर रिटर्न दाखिल करने की जरूरत नहीं होती, उनके टीडीएस रिफंड दावों की वापसी के संबंध में समिति ने सुझाव दिया कि आयकर विधेयक में उस प्रावधान को हटाया चाहिए, जो करदाता के लिए नियत तिथि के भीतर आयकर रिटर्न दाखिल करने को अनिवार्य बनाता है।

मई 2025 में ईपीएफओ ने जोड़े रिकॉर्ड 20 .06 लाख सदस्य, युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

रिटायरमेंट फंड निकाय ईपीएफओ ने मई 2025 में अब तक के सबसे अधिक 20.06 लाख शुद्ध सदस्य जोड़े हैं। सोमवार को जारी पेरोल आंकड़ों के अनुसार, इसमें 9.42 लाख नए कर्मचारी शामिल हैं।

अप्रैल की तुलना में 4.79 प्रतिशत की वृद्धि

यह आंकड़ा अप्रैल 2025 की तुलना में 4.79 प्रतिशत और 2.84 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि अधिक है। श्रम मंत्रालय ने कहा कि मई का यह आंकड़ा अप्रैल 2018 में पेरोल डेटा ट्रैकिंग शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे अधिक दर्ज किया गया है।

मई 2025 में ईपीएफओ ने छुआ रिकॉर्ड स्तर

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख संडाविया ने कहा कि मई 2025 में ईपीएफओ का सर्वकालिक उच्चतम शुद्ध सदस्य जुड़ना भारत के औपचारिक रोजगार परिदृश्य की बढ़ती ताकत का प्रमाण है।

9.42 लाख नए ग्राहकों को जोड़ा

ईपीएफओ ने मई 2025 में लगभग 9.42 लाख नए ग्राहकों को नामांकित किया। यह अप्रैल की तुलना में 11.04 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। नए ग्राहकों मे यह वृद्धि रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईफीएफओ के सफल आउटरीच कार्यक्रमों के कारण हुई है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभुत्व 18 से 25 आयु वर्ग का है।

18 से 25 आयु वर्ग के सदस्यों में हुई वृद्धि

ईपीएफओ ने 18-25 आयु वर्ग में 5.60 लाख नए ग्राहक जोड़े, जो मई 2025 में जोड़े गए कुल नए ग्राहकों का 59.48 प्रतिशत है। इस महीने में इस आयु वर्ग के नए ग्राहकों की संख्या में वृद्धि हुई है, जो अप्रैल 2025 की तुलना में 14.53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इसके अलावा, मई 2025 के लिए 18-25 आयु वर्ग के लिए शुद्ध पेरोल वृद्धि 8.73 लाख थी, जो पिछले महीने से 15.10 प्रतिशत की वृद्धि और मई 2024 से 0.11 प्रतिशत की वृद्धि थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह पहले की प्रवृत्ति के अनुरूप है। यह दर्शाता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं, मुख्य रूप से पहली बार नौकरी चाहने वाले।

16.11 लाख सदस्य दोबारा ईपीएफओ में शामिल हुए

लगभग 16.11 लाख सदस्य, जो पहले ही ईपीएफओ से बाहर हो गए थे, मई 2025 में फिर से ईपीएफओ में शामिल हो गए। यह अप्रैल 2025 की तुलना में 2.12 प्रतिशत और मई 2024 की तुलना में 14.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

इन सदस्यों ने अपनी नौकरियां बदल ली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों में दोबारा शामिल हो गए। साथ ही अंतिम निपटान के लिए आवेदन करने के बजाय अपनी संचित राशि को स्थानांतरित करने का विकल्प चुना, जिससे दीर्घकालिक वित्तीय कल्याण की रक्षा हुई और उनकी सामाजिक सुरक्षा का विस्तार हुआ।

2.62 लाख नई महिलाएं ईपीएफओ में शामिल हुईं

मई 2025 में लगभग 2.62 लाख नई महिला ग्राहक ईपीएफओ में शामिल हुईं, जो पिछले महीने की तुलना में 7.08 प्रतिशत की वृद्धि और 5.84 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि को दर्शाती है।

इसके अलावा, माह के दौरान शुद्ध महिला वेतन-सूची में लगभग 4.25 लाख की वृद्धि हुई, जिसमें माह-दर-माह 7.54 प्रतिशत की वृद्धि और वर्ष-दर-वर्ष 15.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

महिला सदस्यों की संख्या में वृद्धि, अधिक समावेशी और विविध कार्यबल की ओर व्यापक बदलाव का संकेत है।

महाराष्ट्र ने शुद्ध वेतन वृद्धि में किया सबसे अधिक योगदान

शीर्ष पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में शुद्ध वेतन वृद्धि का लगभग 59.98 प्रतिशत योगदान है और माह के दौरान कुल मिलाकर लगभग 12.03 लाख शुद्ध वेतन वृद्धि हुई। सभी राज्यों में, महाराष्ट्र इस महीने के दौरान 20.33 प्रतिशत शुद्ध वेतन जोड़कर अग्रणी है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना ने माह के दौरान कुल शुद्ध वेतन में 5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की।

उद्योगवार विश्लेषण से पता चलता है कि इन क्षेत्रों में शुद्ध पेरोल वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान रहाः

विशेषज्ञ सेवाएं (जैसे मैनपावर सप्लायर्स), जो कुल वृद्धि का 44.61% हैं, इसमें से जनशक्ति आपूर्तिकर्ताओं का हिस्सा लगभग 51.71 प्रतिशत है।

टेक्सटाइल

सफाई और झाड़ू सेवाएं

इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और सामान्य इंजीनियरिंग

वित्तीय संस्थान

गारमेंट निर्माण

ऐसे निकाला जाता है शुद्ध मासिक वेतन

ईपीएफो ने अप्रैल 2018 से सितंबर 2017 की अवधि को कवर करते हुए मासिक पेरोल डेटा जारी करना शुरू किया है। इस डेटा में निम्नलिखित चार कैटेगोरी को ध्यान में रखते हुए शुद्ध मासिक वेतन निकाला जाता है। आधार द्वारा प्रमाणित सार्वभौमिक खाता संख्या (यूएएन) वाले पहले बार सदस्य बने लोग, ईपीएफओ कवरेज से बाहर हुए मौजूदा सदस्य, वापस शामिल हुए सदस्य, इन सभी घटकों को जोड़ने और घटाने के बाद जो आंकड़ा प्राप्त होता है, उससे शुद्ध मासिक वेतन निकाला जाता है।

ईपीएफओ ने उच्च वेतन पर पेंशन के 98.5% आवेदनों का निपटारा किया

इसके अलावा, ईपीएफो ने उच्च वेतन पर पेंशन (PoHW) के लिए प्राप्त कुल 15,24,150 आवेदनों में से 98.5 प्रतिशत का निपटारा कर दिया है। संसद को सोमवार को इस संबंध में जानकारी दी गई।

लोकसभा में श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने एक लिखित जवाब में बताया कि इन आवेदनों में से 4,00,573 पात्र आवेदकों को डिमांड लेटर जारी किए गए हैं, जबकि 11,01,582 आवेदनों को खारिज कर दिया गया है। वहीं, 21,995 आवेदन अब भी लंबित हैं। मंत्री ने अपने लिखित उत्तर में कहा कि ईपीएफओ ने 4 नवंबर, 2022 के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार उच्च वेतन पर पेंशन के लिए आवेदनों को संसाधित और निपटाया है। 16 जुलाई, 2025 तक, ईपीएफओ द्वारा 98.5 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निपटारा किया जा चुका है।

पीओएचडब्ल्यू के मामलों पर 4 नवंबर, 2022 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

बांग्लादेश विमान हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ी, अब तक 22 लोगों की गई जान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट बीते दिन हादसे का शिकार हो गया। यह हादसा दोपहर करीब 1:30 बजे माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज की इमारत पर हुआ। इस हादसे में अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके साथ ही 170 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

ढाका में हुए इस हादसे के बाद सरकार ने एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। जिस समय ये हादसा हुआ उस दौरान स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे। यही कारण है कि मरने वालों में ज्यादातर बच्चे शामिल हैं। बांग्लादेशी सेना ने वायुसेना का F-7 BGI विमान के क्रैश होने की पुष्टि की है।

अधिकारियों ने बताया कि 88 घायलों का राजधानी के 7 अस्पतालों में इलाज चल रहा है और उनमें से 25 की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि राजधानी के विभिन्न अस्पतालों में 17 शव रखे गए हैं और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इन 17 लोगों में से 10 बच्चे हैं, जबकि सात की पहचान नहीं हो पाई है। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि ये शव भी बच्चों के ही हो सकते हैं।

हादसे में पायलट की मौत

फाइटर जेट ने दोपहर 1 बजकर 6 मिनट पर उड़ान भरी थी और 1 बजकर 30 मिनट तक यह हादसे का शिकार हो गया। इस हादसे में पायलट की भी मौत हो चुकी है। इसके अलावा कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। विमान में हादसे के बाद आग की लपटें उठीं और पूरे कैंपस में काला धुआं फैल गया। इसके बाद वहां मौजूद छात्र भागते नजर आए। गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को वायुसेना के हेलीकॉप्टर से अस्पताल में शिफ्ट किया गया।

रेजिडेंट सर्जन शॉन बिन रहमान ने बताया कि घायलों में से दो की बाद में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या 22 हो गई। डॉक्टरों ने बताया कि आने वाले दिनों में मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। क्योंकि कई लोगों की हालत काफी गंभीर बनी हुई है। बांग्लादेश की राजधानी में जो F-7BGI बांग्लादेश एयरफोर्स (BAF) का मल्टीरोल फाइटर हादसे का शिकार हुआ हे। यह चीन के चेंगदू J-7 फाइटर का एडवांस वर्जन है, जिसे सोवियत यूनियन के MiG-21 की तर्ज पर बनाया गया था। बांग्लादेश ने इसे 2011 में खरीदा था।

426 ड्रोन, हाइपरसोनिक प्रहार... रूस ने कीव पर 1 हमले का बदला 10 धमाकों से लिया

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने बहुत बड़ा हमला किया। मॉस्को पर लगातार हमले के बाद रूस इंतकाम लिया है। कीव को भस्म करने के लिए रूसी सेना ने 4 सौ से अधिक ड्रोन से हमला किया और किंझल जैसी घातक मिसाइल का भी इस्तेमाल किया। रूस ने कीव में बम शेल्टर्स को भी नष्ट करने की कोशिश की है। यूक्रेन में सैनिकों की कमी बनाए रखने के लिए रूस अब यूक्रेनी सेना के ट्रेनिंग सेंटर को निशाना बना रहा है।

यूक्रेन के लिए एक एक सेंकड बेहद अहम हो चुका था। लोग किसी तरह भागते हुए आसपास के अंडरग्राउंड ठिकानों तक पहुंचे। रूस ने राजधानी का बदला राजधानी से लिया है। हर एक हमले का बदला 10 धमाके से लिया है। हर नुकसान का इंतकाम बड़ी तबाही से। यूक्रेन ने मॉस्को को निशाना बनाया तो रूस ने इसका बदला यूक्रेन की राजधानी कीव से लिया है।

मॉस्को में ड्रोन हमले का बदला लेने के लिए रूस ने कई घंटे की तैयारी की और जब एक्शन शुरु हुआ तो पूरा कीव दहल उठा। पुतिन के गुस्से की वजह मॉस्को पर हो रहे लगातार हमले हैं। मॉस्को में लगातार ड्रोन से धमाके हो रहे थे। अब कीव को दहला कर पुतिन ने यूक्रेन को सबक सिखाने की कोशिश की है। कीव पर बेहद तेज रफ्तार और घातक मिसाइलों से प्रहार किया गया। कीव का ऐसा कोई इलाका नहीं बचा जहां धमाके नहीं हुए।

2 मिनट में यूक्रेन इवानो फ्रैंकीवस्क इलाके को खाली कराया

कीव में रिहायशी इलाकों पर ड्रोन की बरसात की गई, तो वहीं अहम ठिकानों को शक्तिशाली मिसाइलों से निशाना बनाया गया। एक तरफ कीव दहल रहा था उसी वक्त सूमी में एक साथ कई इमारतों में आग लगी थी। यहां दो बार रूस ने ड्रोन से हमला किया। कीव में दहशत के बीच ही यूक्रेन रूस से MIG-31 फाइटर जेट्स के उड़ान की जानकारी मिली। रूसी मिग-31 किंझल मिसाइलों से लैस थे। रूसी फाइटर जाइटोमीर के ऊपर पहुंचे। इसके बाद मिग-31 से किंझल मिसाइलें दागी गईं। सिर्फ 2 मिनट में यूक्रेन इवानो फ्रैंकीवस्क इलाके को खाली कराया।

हाइपरसोनिक मिसाइलों के जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। तबाही का ब्योरा अभी सामने नहीं आ सका है। लोग डर की वजह से अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन्स में छिपे थे लेकिन रूस ड्रोन्स ने स्टेशन के एंट्री प्वाइंट्स को भी टारगेट किया। मेट्रो स्टेशन में हमलों की वजह से धुआं भर गया। धुएं की वजह से लोगों का दम घुटने लगा। बाहर निकलने का रास्ता भी क्षतिग्रस्त हो गया। रूस ने कीव के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने के साथ यूक्रेन के डिफेंस प्लांट और झुलियानी एयरबेस को निशाना बनाया। रूस के जबरदस्त प्रहार से कीव कई अपार्टमेंट... शॉपिंग कॉम्प्लेक्स...और स्कूल क्षतिग्रस्त हो गए। कीव में इस तबाही की अहम वजह रूस की ताकतवर मिसाइल और गेरान-2 ड्रोन से हमले हैं। रूस के कीव को दहलाने के लिए पांच हाइपरसोनिक किंझल मिसाइलों से हमला किया। कीव के हर इलाके में धमाके के लिए 426 आत्मघाती ड्रोन से हमला किया गया। इसके अलावा कैलिबर मिसाइलों से हमले हुए कीव पर 4 मिसाइलों से प्रहार हुआ।

सामने आए खामेनेई के इरादे, परमाणु डील पर अमेरिका-यूरोप को ऐसे मात देगा ईरान

तेहरान। ईरान ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि वह अपने परमाणु अधिकारों से पीछे नहीं हटेगा। इसके साथ ही उसने अमेरिका और यूरोपीय ताक़तों की संयुक्त रणनीति को मात देने के लिए रूस और चीन के साथ कूटनीतिक गठबंधन को मजबूत कर लिया है।

सोमवार को तेहरान में तीनों देशों – ईरान, रूस और चीन की उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें शुक्रवार को होने जा रही E3 (ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी) मीटिंग से पहले संयुक्त रणनीति पर चर्चा की गई।

ईरान की है ये प्लानिंग

ईरानरूसचीन की त्रिपक्षीय बैठक

तेहरान में हुई यह त्रिपक्षीय बैठक, JCPOA (Joint Comprehensive Plan of Action) को लेकर पश्चिमी दबाव का जवाब देने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

ईरान ने स्पष्ट किया कि वह अब मांग आधारित कूटनीति अपनाएगा, न कि दबाव आधारित। मांग आधारित कूटनीति का मतलब है कि जैसे भारत यह कहता है कि अपने लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेल खरीदता रहेगा।

E3 देशों के साथ न्यूक्लियर टॉक

ईरान की यूरोपीय देशों के साथ इस्तांबुल में शुक्रवार को बैठक प्रस्तावित है। यह बातचीत अमेरिका के परोक्ष दबाव में हो रही है, जिसमें पश्चिम चाहता है कि ईरान को JCPOA उल्लंघन का दोषी ठहराया जाए।

ईरान का रुखः अधिकारों से समझौता नहीं

ईरान के विदेश मंत्री ने दो टूक कहा है — हम संवर्धन (enrichment) का अपना अधिकार नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अब आरोप लगाने वालों को अपने आचरण का जवाब देना होगा।

पश्चिमी देशों की रणनीति

अमेरिका, इज़राइल, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी मिलकर ईरान को एक बार फिर दोषी ठहराने की तैयारी में हैं।उनका प्रयास है कि ईरान को UN या IAEA के स्तर पर दबाव में लाकर उसके परमाणु कार्यक्रम को सीमित किया जाए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इसे लीबिया मॉडल का नाम दे चुके है।

रूस और चीन को ढाल बनाकर आगे बढ़ना

ईरान जानता है कि अगर उसे JCPOA या किसी भी डिप्लोमैटिक फोरम में दबाव से बचना है तो उसे एक मजबूत रणनीतिक समर्थन चाहिए। ईरान के लिए यही भूमिका अब रूस और चीन निभा रहे हैं।। ईरान ने संकेत दिए हैं कि अगर E3 देशों ने दबाव की भाषा अपनाई तो वह बातचीत को स्थगित कर सकता है या नया ढांचा बनाने की बात करेगा। JCPOA से अमेरिका 2018 में बाहर हो चुका है, लेकिन अब वह E3 के माध्यम से फिर से ईरान को सीमाओं में बांधना चाहता है। रूस और चीन के समर्थन से ईरान एकध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है। इजराइल की चिंता यह है कि ईरान यदि स्वतंत्र रूप से संवर्धन करता रहा, तो वह परमाणु हथियार बनाने की ओर बढ़ सकता है।

इजराइल के सहयोगी देश भी कहने लगे- गाजा युद्ध अब खत्म होना चाहिए... 59 हजार पार पहुंचा मौत का आंकड़ा

गाजा, एजेंसी। गाजा में मानवीय स्थिति दिन बा दिन खराब होती जा रही है। गाजा में हो रही इजराइली कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र ने नरसंहार बताया है। अब धीरे-धीरे पूरी दुनिया इजराइल के इन हमलों को खिलाफ हो रही है। सोमवार को ब्रिटेन, फ्रांस और कई यूरोपीय देशों सहित 25 देशों ने कहा है कि गाजा में युद्ध 'अब खत्म होना चाहिए' और इजराइल को अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और जापान सहित कई देशों के विदेश मंत्रियों ने खाने की आस लगाए बैठे भूखे लोगों के लिए बहुत धीरे-धीरे सहायता पहुंचाने और नागरिकों की अमानवीय हत्या की निंदा की है। बता दें इजराइली ब्लॉकेड की वजह से गाजा में लगातार भूख से मौतों हो रही है, हवाई हमलों ने स्थिति को आर दयनीय बना दिया है। गाज़ा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 59,000 के पार पहुंच गया है।

59 हजार से पार पहुंचा मौत का आंकड़ा

AP की खबर के मुताबिक गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि 21 महीने से ज्यादा समय से चल रहे युद्ध के बाद फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 59 हजार के पार पहुंच गया है। मंत्रालय का कहना है कि 7 अक्टूबर, 2023 को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 59,029 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 142,135 अन्य घायल हुए हैं। मरने वालों में आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। ध्यान रहे ये वो आंकड़ा है जिनकी पहचान हो चुकी है, इसके अलावा हजारों लोग लापता है, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है।

सीजफायर पर नहीं बन रही बात

कतर में जारी नए दौर की इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम वार्ता एक बार फिर ठप होती दिख रही है। वार्ता के बीच इजराइली सेना ने रविवार को मध्य गाजा के कुछ हिस्सों से निकासी की नई चेतावनियां जारी की थी, जो युद्ध विराम की कोशिशों को कमजोर करने वाला कदम है।

राष्ट्रपति के रेफरेंस पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र-राज्यों को नोटिस, 1 हफ्ते में देना होगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के संविधान पीठ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से भेजे गए संदर्भ पर केंद्र सरकार और देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जवाब मांगा है। संविधान पीठ में सीजेआई बी आर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर शामिल है।

संविधान पीठ की अध्यक्षता कर रहे सीजेआई बी आर गवई ने कहा कि अगली सुनवाई में हम समय-सीमा तय करेंगे। कोर्ट 29 जुलाई को इस मामले में अगली सुनवाई करेगा। मामले की सुनवाई के दौरान केरल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील के के वेणुगोपाल ने राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए संदर्भ पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह मुद्दा सुनवाई योग्य नहीं है। वहीं, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आज यह मुद्दा उठाना जल्दबाजी होगी। इसपर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने भी सहमति जताई।

राष्ट्रपति ने SC से 14 संवैधानिक सवालों पर राय मांगी

तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील ने भी राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए संदर्भ की योग्यता पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि हम सीधे प्रभावित होने वाले पक्ष है। लिहाजा यह सुनवाई योग्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला 8 अप्रैल को सुनाया था। राष्ट्रपति ने फैसलों के संवैधानिक मूल्यों और व्यवस्थाओं के विपरीत बताया और इसे संवैधानिक सीमाओं का अतिक्रमण करार दिया है।

संविधान के अनुच्छेद 143 (1) के तहत राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से 14 संवैधानिक सवालों पर राय मांगी है। राष्ट्रपति ने पूछा है कि जब राज्यपाल को भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत कोई विधेयक प्रस्तुत किया जाता है कि उनके सामने संवैधानिक विकल्प क्या है?, क्या राज्यपाल भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत किसी विधेयक को प्रस्तुत किए जाने पर अपने पास उपलब्ध सभी विकल्पों के प्रयोग करते समय मंत्री परिषद द्वारा दी गई सहायता और सलाह से बाध्य है? राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान में राष्ट्रपति या राज्यपाल के विवेकाधीन निर्णय के लिए किसी समय-सीमा का उल्लेख नहीं है।

यह निर्णय संविधान के संघीये ढांचे, कानूनों की एकरूपता, राष्ट्र की सुरक्षा और शक्तियों के पृथक्करण (Separation of Powers) जैसे बहुआयामी विचारों पर आधारित है। क्या भारत के संविधान का अनुच्छेद 361 भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के कार्यों के न्यायिक समीक्षा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है? क्या भारत के संविधान के अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा संवैधानिक विवेक का प्रयोग न्यायोचित है?

राष्ट्रपति ने क्या-क्या कहा?

उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल और राष्ट्रपति द्वारा संवैधानिक विवेक का प्रयोग अनिवार्य रूप से बहुकेंद्रीय विचारों द्वारा नियंत्रित होता है, जिसमें संघवाद, कानूनों की एकरूपता, राष्ट्र की अखंडता और सुरक्षा, शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत शामिल है। क्या संविधान की शक्तियों के इस्तेमाल और राष्ट्रपति/राज्यपाल के आदेशों को भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत किसी भी तरह से प्रतिस्थापित किया जा सकता है?

अनुच्छेद 200 के अनुसार राज्यपाल को विधानसभा द्वारा पारित विधेयक प्रस्तुत किए जाने पर धन विधेयकों को छोड़कर, विधेयक को स्वीकृति प्रदान करनी होगी या जितनी जल्दी हो सके सदन द्वारा पुनर्विचार के लिए वापस भेजना होगा। प्रावधान यह भी निर्धारित करता है कि जब विधेयक पुनर्विचार के बाद राज्यपाल के पास भेजा जाता है तो राज्यपाल स्वीकृति नहीं रोकेंगे। राष्ट्रपति ने यह भी पूछा है कि जब देश का संविधान राष्ट्रपति को किसी विधेयक पर फैसले लेने का विवेकाधिकार देता है तो फिर सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप कैसे कर सकता है।

कहां से शुरू हुआ मामला?

यह सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल के फैसले के बाद हुआ, जिसमें जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने तमिलनाडु सरकार के मामले की सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया था कि राज्य के राज्यपाल को विधेयकों पर अनिश्चित काल तक देरी किए बिना "जल्द से जल्द" कार्रवाई करनी चाहिए।

कोर्ट ने कहा था कि राज्यपाल "व्यक्तिगत असंतोष, राजनीतिक स्वार्थ, या किसी अन्य बाहरी या अप्रासंगिक विचार" के आधार पर अपनी सहमति नहीं रोक सकते और ऐसी चीजों को असंवैधानिक करार दिया था। कोर्ट ने यह भी निर्णय दिया था कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा भेजे गए किसी भी विधेयक पर 3 महीने के अंदर निर्णय लेना होगा और कहा था कि संवैधानिक ढांचे के तहत "पूर्ण वीटो" (absolute veto) और "पॉकेट वीटो" (Pocket veto) दोनों ही अस्वीकार्य हैं।

महाराष्ट्र में मानसून का लुफ्त उठाते सैलानी

सागर बोरा एवं उनके मित्र महेश गना, यशवंत सावंत, देवीदास, पवन तिवारी एवं स्वदेश दूबे सभी ने परिवार के साथ थंब से 6 कि मी. दूर डॉक्टर फार्म में मानसून का लुफ्त उठाया।

दिल्ली में 3 साल में 5158 घरों पर चला डीडीए का बुलडोजर, सरकार ने संसद में बताए आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। आरजेडी नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने सरकार से सवाल पूछा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली विकास प्राधिकरण यानी DDA की ओर से कितनी झुग्गी-झोपड़ियों को तोड़ा गया है और इसके कारण विस्थापित हुए लोगों या परिवारों की कुल संख्या कितना संख्या है। इस सवाल का जवाब आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने दिया है और बताया है कि उसने कितनी झुग्गी-झोपड़ियों पर बुलडोजर चलाया है।

मंत्रालय ने कहा, 'डीडीए ने बताया है कि पिछले तीन सालों के दौरान उसने कुल 5 जगह से अतिक्रमण हटाया है। इन ध्वस्तीकरण कार्रवाई के चलते 5158 परिवार विस्थापित हुए, जिनमें से कुल 3403 परिवार या 17015 लोग दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) की ओर से जारी दिल्ली स्लम और झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति, 2015 के अनुसार वैकल्पिक पुनर्वास के लिए पात्र पाए गए। जिन लोगों को पात्र पाया गया है उन निवासियों को सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ वैकल्पिक पुनर्वास दिया गया है।'

मंत्रालय का कहना है कि गोविंद पुरी (कालकाजी) भूमिहीन कैंप के परिवारों को कालकाजी एक्सटेंशन में इन-सीटू स्लम पुनर्वास (आईएसआर) के तहत बसाया गया है। इनकी संख्या 1896 है। अशोक विहार में जेलरवाला बाग के 1087 झुग्गी-झोपड़ी वाले परिवारों को अशोक विहार के स्वाभिमान अपार्टमेंट में आईएसआर प्रोजेक्ट (जेलरवाला बाग) में घर दिया गया है। रामपुरा के गोल्डन पार्क के 271 परिवारों को भी स्वाभिमान अपार्टमेंट में घर दिए गए। साथ ही साथ माता जय कौर के 46 परिवारों को यहीं बसाया गया। इसके अलावा आरएमएल के पास कालीबाड़ी झुग्गी झोपड़ी क्लस्टर के 103 परिवारों को नरेला के सेक्टर G-7 और G-8 घर अलॉट किए गए।

पुनर्वास में DDA को क्या-क्या आई समस्या?

श्रद्धा कपूर ने देखी अहान-अनीत की फिल्म, बोलीं- 'सैयारा' से आशिकी हो गई मुझे

18 जुलाई को रिलीज हुई फिल्म 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर अब 100 करोड़ को पार कर लिया है। इसी बीच 'आशिकी' गर्ल श्रद्धा कपूर ने भी फिल्म देखकर अपना रिएक्शन दिया है।

अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर फिल्म 'सैयारा' 18 जुलाई को सिनेमाघरों मे रिलीज हुई है। मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में रोमांटिक-ड्रामा भरपूर देखने को मिल रहा है। कई लोगों ने तो फिल्म देखने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी 'आशिकी 2' से तुलना की। इसी बीच अब आशिकी गर्ल श्रद्धा कपूर ने भी फिल्म को देखा और अपनी प्रतिक्रिया उस पर दी। श्रद्धा कपूर ने क्या कुछ कहा, चलिए आपको बताते हैं।

श्रद्धा कपूर ने 'सैयारा' पर दिया रिएक्शन

अभिनेत्री ने फिल्म की जमकर तारीफ की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में 'सैयारा' देखते हुए दो तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में श्रद्धा ने लिखा है- सैयारा से आशिकी हो गई है मुझे। इसके बाद उन्होंने मूवी के एक सीन का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा- इस मोमेंट के लिए मैं 5 बार फिल्म देखूंगी। इसके अलावा श्रद्धा ने कहा- प्योर सिनेमा, प्योर ड्रामा, प्योर मैजिक। उन्होंने अपने फैंस को ये भी बताया कि किसी भी फिल्म को देखने के बाद उन्होंने बहुत समय के बाद इमोशनल फील किया है।

'सैयारा' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

तीन दिनों में 80 करोड़ से ज्यादा की कमाई करने वाली फिल्म 'सैयारा' ने मंडे टेस्ट में भी अच्छे नंबर हासिल किए हैं। संडे को 35.75 करोड़ रुपए की कमाई करने वाली 'सैयारा' ने सोमवार को 22.5 करोड़ रुपए की कमाई की। आमतौर पर सोमवार को फिल्मों का कलेक्शन काफी नीते आता है। ऐसे में सैयारा का भी कलेक्शन नीचे आया है, लेकिन फिर भी सैयारा ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इस तरह से 'सैयारा' ने चार दिनों में ही सौ करोड़ से ऊपर का कलेक्शन कर लिया है। 'सैयारा' की कुल कमाई 105.76 करोड़ रुपए हो चुकी है।

फिल्म से अहान-अनीत ने किया डेब्यू

आपको बता दें इस फिल्म से अनन्या पांडे के कजिन ब्रदर और चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है। उनके साथ फिल्म में लीड एक्ट्रेस के तौर पर अनीत पड्डा नजर आ रही हैं, जिन्होंने पहले बेशक एक्टिंग की है लेकिन इस फिल्म से मुख्य लीड के तौर पर उनका भी डेब्यू हुआ है।

कुशल टंडन के घर में घुसा फैन, पोस्ट कर अभिनेता ने चाहने वालों को दी जरूरी सलाह

कुशल टंडन टीवी सीरियल की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। हाल ही में इस एक्टर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके बताया कि उनकी गैर मौजूदी में घर में एक फैन घुस गया। इस हरकत से एक्टर काफी गुस्से में हैं। फैंस के प्यार को वह समझते हैं, मगर घर में घुसने वाली बात से वह दुखी हो गए। इसके पीछे की वजह भी वह अपनी पोस्ट में साझा करते हैं।

अपनों की सुरक्षा को लेकर चिंता

कुशल टंडन ने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट की। इसमें वह लिखते हैं, 'आज कुछ ऐसा हुआ है, जिसके बारे में मैं बात करना चाहता हूं। मैं जब घर से बाहर था तो एक फैन बिना परमिशन के घर में घुस गया। मैं साफ कर दूं कि यह बिल्कुल भी सही बात नहीं है। मेरे पैरेंट्स साथ में रहते हैं, उनकी सुरक्षा और शांति मेरे लिए सब चीजों से ऊपर है।'

फैंस को प्राइवेसी की रेस्पेक्ट करने को कहा

आगे कुशल टंडन कहते हैं, 'मैं आपका प्यार समझता हूं। आपके सपोर्ट के लिए शुक्रगुजार हूं। मगर पर्सनल बाउंड्री क्रास करना सही नहीं है। मेरे प्राइवेसी की रेस्पेक्ट कीजिए। खासकर जब मैं अपने परिवार के साथ रह रहा हूं। बस आप अपना प्यार दीजिए लेकिन म्युचुअल रेस्पेक्ट भी जरूरी है।'

चर्चा में शिवांगी जोशी से ब्रेकअप

कुशल टंडन की पर्सनल लाइफ की ही बात करें तो इन दिनों शिवांगी जोशी के साथ उनके ब्रेकअप की अफवाहें भी सामने आ रही हैं। हाल ही में एक्टर ने एक पोस्ट किया था, जिसमें ब्रेकअप से जुड़ी बात लिखी थी। फिर इस पोस्ट को डिलीट भी कर दिया। इन दिनों शिवांगी और कुशल टंडन को साथ भी नहीं देखा जाता है।

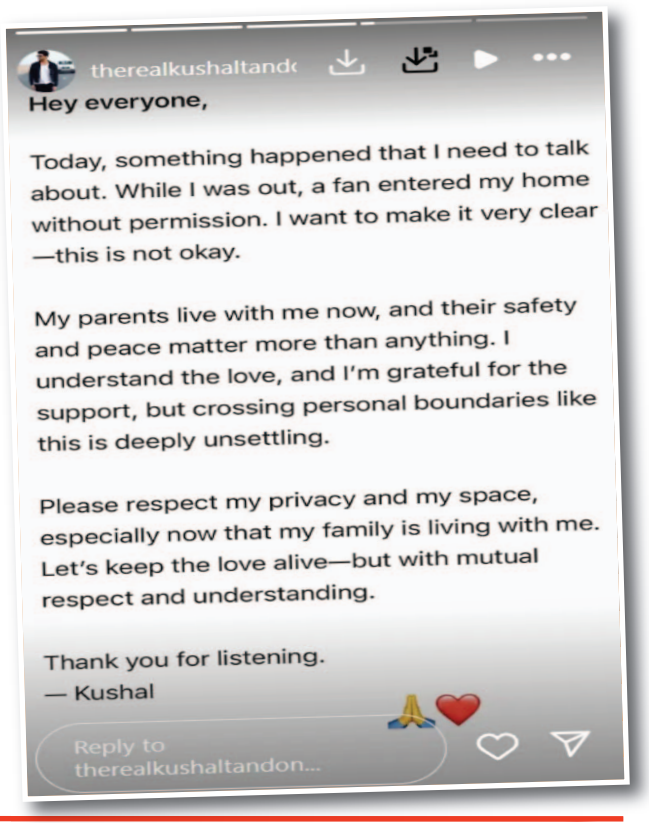

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com